दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K K
RNI No.61546/95

दैनिक क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-168 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 11 अगस्त 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णाकान्त सक्सेना

राजगढ़ में बड़ा हादसाः पुल से फिसलकर नाले में गिरी कार, सात की मौत

मृतकों में दो बच्चे शामिल, तीन लोगों ने तैरकर बचाई जान; एक लापता की तलाश जारी

राजगढ़, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में सोमवार को तेज बारिश के बीच बड़ा हादसा हो गया। पड़ाना के पास झिरी नाले के तेज बहाव में एक ईको कार बहकर नाले में गिर गई। कार में देवास जिले के सतवास क्षेत्र के 11 लोग सवार थे। हादसे में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि एक व्यक्ति अभी भी लापता बताया जा रहा है। तीन लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे। लापता व्यक्ति की तलाश में राहत एवं बचाव दल लगातार अभियान चला रहा है।

जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी लोग देवास जिले के सतवास क्षेत्र के रहने वाले थे और सतवास से कड़लावद गांव जा रहे थे। इसी दौरान पड़ाना के पास झिरी नाले पर बने पुल को पार करते समय हादसा हुआ।बताया गया कि झिरी नाले पर करीब 30 फुट लंबे पुल का निर्माण कार्य चल रहा था। लगातार बारिश के कारण नाले में पानी का बहाव काफी तेज था। इसके बावजूद चालक ने वाहन को तेज बहाव के बीच से निकालने का प्रयास किया। इसी दौरान पानी का दबाव बढ़ने से कार अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी और बहाव में बह गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और बचाव दल ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया। तीन लोग किसी तरह तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए, लेकिन अन्य लोग पानी के तेज बहाव में बह गए।बताया गया है कि ईको कार में कुल तीन पुरुष, चार महिलाएं और चार बच्चे सवार थे। हादसे में सात लोगों की मौत हुई है। मृतकों में तीन पुरुष, दो महिलाएं और दो बच्चे शामिल बताए गए हैं। इनमें एक बच्चा करीब तीन वर्ष का बताया जा रहा है। एक व्यक्ति अभी भी लापता है।हादसे में बच्चों की मौत से इलाके में शोक का माहौल है। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचा तथा लापता लोगों की तलाश शुरू की गई। प्रशासन की टीम ने बचाव अभियान के दौरान क्रेन की मदद से कार को नाले से बाहर निकाला। पानी का बहाव तेज होने के कारण बचाव दल को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। वाहन का पंजीकरण क्रमांक एमपी 09 बीजे 4684 बताया गया है और वाहन इंदौर का बताया जा रहा है। फिलहाल मृतकों की आधिकारिक पहचान की प्रक्रिया जारी है। राजगढ़ के अनुविभागीय दंडाधिकारी रोहित बम्होरे ने बताया कि पुल पर पानी होने के कारण ईको कार नाले में गिर गई। हादसे में अब तक सात लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। तीन लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए थे।

उन्होंने बताया कि लापता व्यक्ति की तलाश के लिए राहत एवं बचाव अभियान जारी है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में भारत के पूर्व राष्ट्रपति वी.वी. गिरि को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की।

रांची में छात्रों का प्रदर्शन जारी, झारखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल. ख्यांगते गिरफ्तार

प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित धांधली के खिलाफ 17वें दिन भी डटे छात्र, सीबीआई जांच और परीक्षाएं रद्द करने की मांग

रांची (आरएनएस)। झारखंड की राजधानी रांची में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों का आंदोलन सोमवार को भी जारी रहा। इसी बीच झारखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल. ख्यांगते को जांच एजेंसी ने गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले राज्य अपराध अन्वेषण विभाग उनसे चार बार पूछताछ कर चुका था। प्रत्येक बार करीब आठ घंटे तक पूछताछ हुई थी। परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोपों के बाद ख्यांगते ने अपने पद से इस्तीफा दिया था।

छात्रों के लगातार विरोध प्रदर्शन के बीच इस मामले की जांच अब और तेज हो गई है। प्रवर्तन निदेशालय ने भी मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। छात्र संगठनों का कहना है कि उन्हें राज्य सरकार की जांच एजेंसियों पर भरोसा नहीं है और वे पूरे मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से स्वतंत्र जांच कराने की मांग पर कायम हैं।

विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने सोमवार को विधानसभा मार्च का ऐलान किया था। सुबह करीब 10 बजे छात्र पुराने विधानसभा भवन से नए विधानसभा भवन की ओर रवाना हुए। रास्ते में पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए कई स्थानों पर अवरोधक लगाए थे, लेकिन प्रदर्शनकारी छात्रों ने कई अवरोधक तोड़ दिए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार करने वाली मशीन का इस्तेमाल किया। इसके बावजूद छात्र आगे बढ़ते रहे। जब प्रदर्शनकारी विधानसभा भवन के नजदीक पहुंच गए और अंतिम अवरोधक पार करने का प्रयास करने लगे तो पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज किया।

हत्या मामले में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख को बरी किए जाने के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ याचिका पर विचार करने के लिए सहमत हो गया, जिसमें डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को 2002 में एक पत्रकार की हत्या के मामले में बरी कर दिया गया था.

यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ के सामने सुनवाई के लिए आया. छोटी दलीलें सुनने के बाद, बेंच ने कहा कि इस मामले पर विचार करने की ज़रूरत है।

मामले में थोड़ी सुनवाई के बाद पीठ अपील की जांच करने के लिए सहमत हो गई. सुप्रीम कोर्ट ने मारे गए पत्रकार के बेटे अरिदमन की अर्जी पर आखिरी सुनवाई 16 नवंबर से शुरू होने वाले हफ्ते में तय की है।

राम रहीम की ओर से पेश वकील ने पीठ के सामने दलील दी कि राज्य ने हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने के लिए कोई अपील नहीं की है. पीठ ने कहा कि यह हाई कोर्ट द्वारा सजा को पलटने का मामला था।

कांवड़ यात्रा धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा के साथ प्रतीक है श्रद्धा और सामाजिक एकता का : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रदेश की समृद्ध संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए समुचित प्रबंधन कर रही है राज्य सरकार

जबलपुर/ भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार प्रदेश की समृद्ध सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए सभी समुचित प्रबंधन कर रही है। सावन का पवित्र माह भगवान शिव की आराधना और भक्ति का पर्व है। मां नर्मदा का जल लेकर निकले कांवड़ यात्रियों का उत्साह अतुलनीय है। संस्कार कांवड़ यात्रा हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं, श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। भगवान शिव की भक्ति से क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि का संचार हो और प्रदेशवासियों का जीवन मंगलमय हो, यही कामना है। कांवड़ यात्रियों को यथा-योग्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। प्रदेश के धर्म स्थलों पर सभी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। संस्कारधानी जबलपुर से शुरू हुई संस्कार कांवड़ यात्रा अद्भुत है, जिसमें पूज्य दादा गुरु के साथ हजारों कांवड़िये भक्ति भाव से साधना के मार्ग पर चल रहे हैं। पूज्य दादा गुरु अन्न छोड़कर केवल नर्मदा मैया का जल गृहण कर स्वस्थ जीवन जी रहे है। उनका त्याग और तपस्या सभी के लिए अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सावन के दूसरे सोमवार को जबलपुर की संस्कार कांवड़ यात्रा में शामिल कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री दादा गुरू के साथ कांवड़ उठाकर संस्कार कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कांवड़ियों तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित भी किया।

मां नर्मदा के हर कंकर में शंकर दिखाई देते हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कांवड़ियों और प्रदेशवासियों को पवित्र श्रावण मास और कांवड़ यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के धर्म के प्रति प्रेम से वातावरण भगवान शिव के जयकारों से गूंज उठा और पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कांवड़ यात्रियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि श्रावण सोमवार के पावन अवसर पर शिव भक्त कांवड़िये नर्मदा मैया का जल लेकर अपना संकल्प पूरा करने के लिए निकले हैं। मां नर्मदा के हर कंकर में शंकर दिखाई देते हैं।

छात्रों पर पैलेट गन चलाने के मामले में संसद में जवाब दे सकते हैं अमित शाह

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली में 20 जुलाई को प्रदर्शनकारी छात्रों पर चलाई गई पैलेट गन को लेकर संसद में गतिरोध बना हुआ है। विपक्षी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सदन में आकर जवाब देने की मांग कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार है और उसने इसको लेकर तैयारी शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि शाह इस मुद्दे पर सदन को संबोधित करेंगे, जिससे गतिरोध समाप्त हो सकता है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इसकी जानकारी सदन को देते हुए कहा, सरकार छात्रों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। हम तैयार हैं और विपक्ष द्वारा उठाए जाने वाले सभी मुद्दों का जवाब देंगे। गृह मंत्री जवाब देंगे।

उन्होंने विपक्ष से आग्रह किया है कि गृह मंत्री के बयान को रोकने के लिए कोई बाधा उत्पन्न न किया जाए और उनके जवाब को ध्यान से सुना जाना चाहिए, ताकि विस्तार से विचार-विमर्श हो सके।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में 50 साल की हथिनी स्मिता की मौत

पहली बार आपस में भिड़े हाथी वेटरिनियन नहीं थे मौजूद

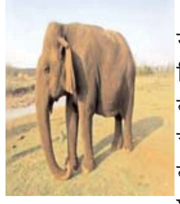

नर्मदापुरम (निप्र)। चूरना के जंगल में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की प्रसिद्ध हथिनी स्मिता की मौत हो गई है। वह करीब 50 वर्ष की थी। बताया गया कि नर्मदापुरम जिले के चूरना में पहली बार हाथियों के बीच लड़ाई का मामला सामने आया है। इस लड़ाई में घायल हथिनी स्मिता की सोमवार शाम मौत हो गई। वन्यजीव चिकित्सक उस समय मौजूद नहीं थे। उपचार से पहले ही शाम करीब 5 बजे हथिनी ने दम तोड़ दिया। मामले की जांच की जाना है। हथिनी स्मिता एसटीआर की शान रही है।

अमरनाथ यात्रा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, जम्मू-कश्मीर में अगले दो दिनों में भारी बारिश का पूर्वानुमान

श्रीनगर (आरएनएस)। उत्तर और दक्षिण कश्मीर के बालटाल एवं पहलगाम मार्गों पर ट्रैक क्षतिग्रस्त होने तथा खराब मौसम को लेकर जारी चेतावनी के कारण अमरनाथ यात्रा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों बेस कैंप से जाने वाले दो रास्तों को ठीक करने में काफी समय लगेगा। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 को रोक दिया गया है और बेस कैंप तथा जम्मू में भगवती नगर यात्री निवास में मौजूद सभी तीर्थयात्रियों से घर लौटने को कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण भी बंद कर दिया गया है और अब श्रद्धालुओं को कश्मीर घाटी की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, छड़ी मुबारक (भगवान शिव की पवित्र गदा) पारंपरिक पहलगाम मार्ग से यात्रा करते हुए 28 अगस्त को पवित्र गुफा तक पहुंचेगी। इसी दिन अमरनाथ यात्रा का औपचारिक समापन होगा।

3 जुलाई से शुरू हुई 57 दिनों की श्री अमरनाथ यात्रा 2026 के दौरान अब तक 4.80 लाख से अधिक श्रद्धालु समुद्र तल से 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों ने कहा कि अब केवल उन्हीं यात्री काफिलों को जाने की इजाजत होगी जो तीर्थयात्रियों को घाटी से वापस ला रहे होंगे।

उत्तराखंड और उत्तरकाशी में लगे भूकंप के तेज झटके, सहमे लोग अपने घरों से निकले बाहर

उत्तरकाशी, (आरएनएस)। उत्तराखंड में भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। उत्तरकाशी जिले में 4.2 तीव्रता के भूकंप ने लोगों को घरों से बाहर निकलने पर मजबूर कर दिया। वहीं, टिहरी गढ़वाल के कुछ इलाकों में भी 2.0 तीव्रता का हल्का भूकंप दर्ज किया गया। दोनों जिलों में फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है।

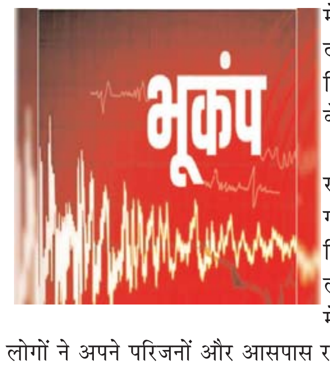

उत्तरकाशी में भूकंप का झटका रात करीब 1:21 बजे महसूस किया गया। यमुना और गंगा घाटी समेत जिले के कई क्षेत्रों में धरती हिलने से लोग घबरा गए और आनन-फानन में घरों से बाहर निकल आए। कई लोगों ने अपने परिजनों और आसपास रहने वाले लोगों को फोन कर भूकंप की जानकारी ली। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक उत्तरकाशी में आए भूकंप की तीव्रता 4.2 रही और इसका केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर नीचे था। भूकंप का केंद्र उत्तरकाशी जिले में बड़कोट तहसील मुख्यालय के समीप राजगढ़ी क्षेत्र के आसपास बताया गया है।टिहरी गढ़वाल के कीर्तिनगर और घनसाली क्षेत्र में भी सोमवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार इसकी तीव्रता 2.0 रही और इसकी गहराई करीब 5 किलोमीटर थी।

साझी संस्कृति, शांति, पारस्परिक सम्मान और समावेशी विकास के संकल्प के साथ ब्रिक्स संस्कृति सम्मेलन बना ऐतिहासिक

साझा ब्रिक्स डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलेगी सांस्कृतिक कलाकारों की रचनात्मक जानकारी

विश्व धरोहर स्थल घोषित करने के लिए यूनेस्को में ब्रिक्स देश भेजेगा साझा नामांकन

भोपाल (ए.)। 11वीं ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक और ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह (C W G) के सम्मेलनों का भोपाल में सफल समापन हो चुका है। सर्वे भवन्तु सुखिन: की शाश्वत भारतीय भावना और भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता की मुख्य थीम लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण (Building for Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability) के संकल्प के साथ आयोजित इस तीन दिवसीय वैश्विक समागम ने अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति और सांस्कृतिक सहयोग का एक नया इतिहास रच दिया है। कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में संपन्न हुए इस बहुपक्षीय सम्मेलन ने साबित किया कि जब वैश्विक स्तर पर संस्कृति, परंपरा और रचनात्मकता आपस में जुड़ती हैं, तो वे भौगोलिक सीमाओं से परे शांति, परस्पर सम्मान और समावेशी विकास का एक स्थायी ढांचा तैयार करती हैं।

इस ऐतिहासिक आयोजन की पूर्व संध्या से लेकर समापन तक, भोपाल की धरा पर वैश्विक सहयोग का एक अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिला। सम्मेलन में भारत सहित कुल 14 देशों के 55 उच्चस्तरीय प्रतिनिधि शामिल हुए। इनमें 10 ब्रिक्स सदस्य देश— ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात के साथ चार साझेदार देश बेलारूस, क्यूबा, कजाकिस्तान और थाईलैंड शामिल हुए। सम्मेलन की भव्यता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात के संस्कृति मंत्रियों ने स्वयं भोपाल पहुंचकर इस विचार-विमर्श का नेतृत्व किया, जबकि मिस्र के संस्कृति मंत्री ने ऑनलाइन माध्यम से अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

यह आयोजन भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत संस्कृति क्षेत्र के अंतर्गत अपनाई गई एक अत्यंत सुव्यवस्थित और चरणबद्ध प्रक्रिया की ऐतिहासिक परिणति रहा। इस यात्रा की शुरुआत 29 30 अप्रैल 2026 को वर्चुअल माध्यम से आयोजित पहली ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह की बैठक से हुई थी। इसके पश्चात 4 5 जून को सांस्कृतिक नगरी वाराणसी में दूसरी कार्य समूह की बैठक आयोजित हुई, जिसमें नीतिगत प्राथमिकताओं का खाका खींचा गया। 5 6 अगस्त को भोपाल में संपन्न हुई तीसरी कार्य समूह की बैठक ने मंत्री-स्तरीय वार्ताओं का आधार तैयार किया। इन गहन और बहुस्तरीय विचार-विमर्शों का सफल समापन 8 अगस्त 2026 को 11वीं ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक और सर्वसम्मति से भोपाल घोषणा पत्र को

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत फंदा ब्लॉक में 14 अगस्त को लगेगा वृहद जनकल्याण शिविर : कलेक्टर श्री मिश्रा

भोपाल, (निप्र)। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान -2026 के अंतर्गत शुक्रवार,14 अगस्त को हुजूर तहसील के फंदा विकासखंड में वृहद जनकल्याण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में आसपास के 30 ग्रामों के नागरिकों की समस्याओं और ग्राम पंचायतों से संबंधित प्रकरणों का एक ही स्थान पर त्वरित निराकरण किया जाएगा। शिविर के दौरान क्षेत्र के उद्यमियों से संवाद भी स्थापित किया जाएगा। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में शिविर की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी शिविर से पहले अपने-अपने विभाग से संबंधित क्षेत्रों का अनिवार्य रूप से भ्रमण करें। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों से संवाद कर समस्याओं एवं लंबित प्रकरणों को चिह्नित किया जाए, जिससे शिविर में उनका प्रभावी निराकरण सुनिश्चित हो सके। कलेक्टर श्री मिश्रा ने मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिले के सभी अपर कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, राजस्व अधिकारी और जिला अधिकारियों को सक्रियता से कार्य करने के निर्देश दिए।

यूसीसी के विरोध में 16 से 20 अगस्त तक प्रदेशभर में अभियान, जिलों में महिलाओं और युवाओं का प्रतिनिधिमंडल सौंपेगा ज्ञापन

आरिफ मसूद बोले- पहले मुसलमान प्रभावित, आगे दूसरे समुदायों पर भी पड़ सकता है असर

भोपाल, (निप्र)। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के विरोध में मध्य प्रदेश में 16 से 20 अगस्त तक प्रदेशव्यापी अभियान चलाया जाएगा। अभियान के पहले चरण में सभी जिलों में राष्ट्रपति और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे। इसके बाद विभिन्न जिलों में जन-संवाद कार्यक्रम आयोजित कर दूसरे समुदायों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को भी चर्चा में शामिल करने की योजना है। अभियान में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी प्रमुख रखने की बात कही गई है। भोपाल में सोमवार को कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद, इंदौर से आए मुफ्ती जुनैद और भोपाल के मौलाना माज ने संयुक्त पत्रकार वार्ता में यूसीसी को लेकर अपनी आपत्तियां रखीं। आरिफ मसूद ने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके अनुसार यूसीसी के प्रावधानों का असर मुस्लिम समुदाय के धार्मिक और व्यक्तिगत अधिकारों पर पड़ सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि भविष्य में इसके प्रभाव दूसरे समुदायों तक भी पहुंच सकते हैं।आरिफ मसूद ने संविधान के अनुच्छेद 25 का हवाला देते हुए कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता प्राप्त है। उनके अनुसार यूसीसी के प्रावधानों से इस संवैधानिक अधिकार से जुड़े सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि इस विषय पर व्यापक चर्चा और पुनर्विचार की जरूरत है। मसूद ने बताया कि उन्होंने मध्य प्रदेश विधानसभा में इस मुद्दे पर संशोधन प्रस्ताव रखते हुए इसे प्रवर समिति को भेजने की मांग की थी, ताकि इसके विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार हो सके। उनके मुताबिक सरकार ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि इसके बाद इस मुद्दे को जनता के बीच ले जाने का निर्णय लिया गया है। अभियान के पहले चरण में 16 से 20 अगस्त तक प्रदेश के सभी जिलों में कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे। प्रत्येक जिले में 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल रखने की योजना है। इसमें महिलाओं, युवतियों और युवाओं की संख्या अधिक होगी। मसूद के अनुसार प्रतिनिधिमंडल में करीब 15 से 17 महिलाएं और युवतियां शामिल होंगी। दूसरे चरण में जिलों में जन-संवाद केंद्र बनाए जाने की बात कही गई है।

नगरीय क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन तंत्र को सुदृढ़ करने के निर्देश

भोपाल (ए.)। वर्षा ऋतु के दृष्टिगत नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त नगरीय क्षेत्रों में सम्भावित प्राकृतिक एवं आकस्मिक आपदाओं से निपटने के लिए त्रिस्तरीय (राज्य, संभाग एवं जिला स्तर) नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) स्थापित किए गए हैं। नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा है कि अतिवृष्टि, जलभराव, बाढ़, जर्जर भवनों के धराशायी होने तथा वज्रपात जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों में जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह कंट्रोल रूम अंतर-विभागीय समन्वय के माध्यम से आपदा प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित जल निकासी, प्रभावित नागरिकों के सुरक्षित विस्थापन तथा भोजन, शुद्ध पेयजल एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत जीवनरक्षक सुविधाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे।

मंत्रालय के सामने कर्मचारियों ने मुंडन कर जताया विरोध, सीपीसीटी की अनिवार्यता और समान वेतन की मांग को लेकर प्रदर्शन

भोपाल, (ए.)। अनुकंपा नियुक्ति में सीपीसीटी की अनिवार्यता के चलते कर्मचारियों को सेवा से हटाए जाने और समान कार्य के लिए समान वेतन की मांग को लेकर मप्र लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ ने सोमवार को राजधानी भोपाल में मंत्रालय के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान सेवा से हटाए गए कर्मचारियों के परिजनों ने मुंडन कराकर विरोध जताया। संघ का दावा है कि सीपीसीटी की अनिवार्यता के कारण प्रदेश में 1000 से अधिक युवा प्रभावित हुए हैं। लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश चतुर्वेदी ने कहा कि संघ की प्रमुख मांग अनुकंपा नियुक्ति में सीपीसीटी की बाध्यता समाप्त करने के साथ कर्मचारियों को सुरक्षित सेवा का अवसर देना है। उन्होंने मंत्रालय के समान वेतनमान और ग्रेड-पे की भी मांग उठाई। मुकेश चतुर्वेदी ने कहा कि मंत्रालय, विधि एवं विधायी कार्य विभाग और राजभवन के कार्यालयों में कार्यरत लिपिकों को वेतनमान और अन्य सेवा लाभ मिल रहे हैं, जबकि विभागाध्यक्ष कार्यालयों में काम करने वाले लिपिक इन लाभों से वंचित हैं। संघ ने समान कार्य के लिए समान वेतन और सेवा लाभ दिए जाने की मांग की है।

मेट्रो के लिए जमीन के अंदर 260 मीटर सुरंग बनाई, दोनों टीबीएम एकसाथ चल रही; भोपाल रेलवे स्टेशन-नादरा बस स्टैंड के नीचे से गुजरेगी

भोपाल, (ए.)मेट्रो के अंडरग्राउंड रूट पर काम कर रही दोनों टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) अब तक 260 मीटर सुरंग बना चुकी है। भोपाल रेलवे स्टेशन और नादरा बस स्टैंड के नीचे से अंडरग्राउंड रूट निकल रहा है। मेट्रो अफसरों की माने तो अगले डेढ़ से दो साल में अंडरग्राउंड रूट का काम पूरा कर लिया जाएगा।घनी आबादी वाले क्षेत्रों में बेहतर मेट्रो कनेक्टिविटी और सड़क यातायात का दबाव कम करने के उद्देश्य से भूमिगत कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। भूमिगत सुरंग का निर्माण दो चरण में किया जा रहा है। प्रथम चरण में दोनों टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) भोपाल रेलवे स्टेशन से ऐशबाग की ओर आगे बढ़ रही हैं। सुरंगें जमीन से करीब 60 फीट नीचे बनाई जा रही हैं।

ECINET बना निर्वाचन सेवाओं का लोकप्रिय डिजिटल प्लेटफॉर्म

10 करोड़ से अधिक यूजर्स ने डाउनलोड किया ऐप, एक ही मंच पर मिल रहीं सभी प्रमुख चुनावी सेवाएं

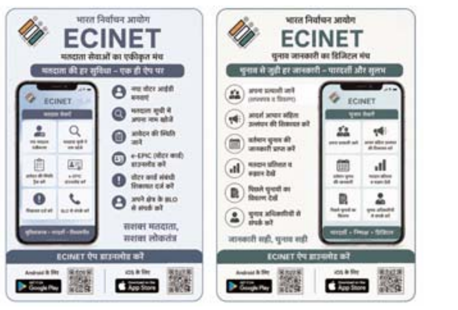

भोपाल (ए.)। भारत निर्वाचन आयोग का ECINET नामक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म उपयोगिता के लिहाज से लोकप्रिय हो रहा है। आयोग के इस मोबाइल ऐप को लगभग 10 करोड़ 80 लाख यूजर्स ने डाउनलोड किया है।

यह प्लेटफॉर्म निर्वाचन संबंधी सभी जानकारी एवं सेवाओं के लिए एक समग्र डिजिटल मंच है। ECINET की परिकल्पना भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू एवं डॉ. विवेक जोशी के साथ मिलकर की थी। इसके विकास की घोषणा मई 2025 में की गई थी।

इसका शुभारंभ दिल्ली में 22 जनवरी 2026 को किया गया था। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का कहना है कि ECINET का विकास पूर्णत: विधिक प्रावधानों के अनुरूप है। यह प्लेटफॉर्म हिंदी-अंग्रेजी सहित संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में उपलब्ध है। सूचना प्रौद्योगिकी की महानिदेशक डॉ. सीमा खन्ना ने अनुसार इस मोबाइल ऐप को कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल पर प्ले स्टोर से डाउनलोड़ कर सकता है। उन्होंने बताया कि आज प्रौद्योगिकी केवल सहायक व्यवस्था नहीं, बल्कि एक रणनीतिक सशक्त माध्यम बन चुकी है। ECINET चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता, दक्षता, विश्वसनीयता तथा जनविश्वास को और मजबूत कर रहा है।

ECINET विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की निर्वाचन सेवाओं को एक ही डिजिटल मंच पर उपलब्ध कराने वाला विश्व का सबसे बड़ा निर्वाचन सेवा प्लेटफॉर्म है। इसमें भारत निर्वाचन आयोग के 40 से अधिक मोबाइल ऐप एवं पोर्टलों का एकीकरण किया गया है।

मध्यप्रदेश भवन में साड़ी ड्रेपिंग एवं हैंडलूम प्रदर्शन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बंगाली से महाराष्ट्रीयन नौवारी तक, 12 प्रतिभागियों ने प्रस्तुत की भारतीय संस्कृति की विविधता

पारंपरिक साड़ियों की आकर्षक प्रस्तुति ने दर्शाई भारत की समृद्ध वस्त्र एवं हस्तकरघा विरासत

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश भवन नई दिल्ली में भारतीय साड़ी, हस्तकरघा एवं हस्तशिल्प की समृद्ध परंपरा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से साड़ी ड्रेपिंग एवं हैंडलूम डेमोंस्ट्रेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 13 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों ने साड़ी पहनने की विभिन्न पारंपरिक एवं रचनात्मक शैलियों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक एवं क्षेत्रीय विविधता को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता में महिलाओं ने बंगाली, महाराष्ट्रीयन सहित विभिन्न राज्यों की पारंपरिक साड़ी पहनने की शैलियों का प्रदर्शन किया। इस दौरान सिल्क, बनारसी सिल्क, बंगाली कॉटन, महाराष्ट्रियन नौवारी, बाघ प्रिंट सिल्क, पूना सिल्क तथा पटोला सिल्क सहित विभिन्न प्रकार की साड़ियां देखने को मिलीं। हस्तनिर्मित एवं हैंडलूम साड़ियों ने भी विशेष आकर्षण बटोरा। प्रतिभागियों ने साड़ियों को पारंपरिक तरीकों के साथ रचनात्मक अंदाज में धारण कर उनकी विशेषताओं और क्षेत्रीय पहचान को प्रदर्शित किया।

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को निर्धारित 20 मिनट में साड़ी ड्रेपिंग पूरी करनी थी। इसके बाद रैंप वॉक के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुति दी तथा अपनाई गई साड़ी पहनने की शैली, उसकी विशेषताओं और उससे जुड़ी सांस्कृतिक परंपरा के बारे में जानकारी साझा की। अलग-अलग साड़ी पहनने की शैलियों ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली की विविधता को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। प्रत्येक साड़ी को पहनने का तरीका अपने क्षेत्र की संस्कृति और परंपरा की एक अलग कहानी को दर्शाता नजर आया। कार्यक्रम में महेश गुलाटी, सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक, हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट तथा वर्तमान में कंसल्टेंट, नेशनल काउंसिल फॉर हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट और डॉ. रुचिरा अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ फैब्रिक एंड अपैरल साइंस, लेडी इरविन कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, ने निर्णायक की भूमिका निभाई। निर्णायकों द्वारा प्रतिभागियों की साड़ी ड्रेपिंग की शैली, प्रस्तुति, साड़ी की विशेषता तथा उससे जुड़े सांस्कृतिक पक्षों का मूल्यांकन किया गया। प्रतियोगिता के परिणामों में प्रथम स्थान गुनगुन, द्वितीय स्थान ममता कपसे, तृतीय स्थान नंदिनी त्रिपाठी, चतुर्थ स्थान रूपाल कपसे तथा पंचम स्थान डॉ. मेघा ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में एआरसी प्रकाश उन्हाले एवं प्रोटोकॉल ऑफिसर श्रीमती शिवाली सिंह भी उपस्थित रहीं। श्रीमती शिवाली सिंह ने बताया कि 7 अगस्त को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि साड़ी केवल पहनावा नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, क्षेत्रीय परंपराओं और हस्तकरघा कारीगरों के कौशल का परिचायक है।

भोपाल-विदिशा मार्ग 1,758 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा 4-लेन

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश मेट्रोपोलिटन विकास, आधुनिक अधोसंरचना और हाई-स्पीड कनेक्टिविटी के नए युग में प्रवेश कर रहा है। भोपाल और उज्जैनङ्कइंदौर मेट्रोपोलिटन क्षेत्रों की अधिसूचना प्रदेश के सुनियोजित शहरी एवं क्षेत्रीय विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। राज्य सरकार इन मेट्रोपोलिटन क्षेत्रों से जुड़े शहरों, कस्बों, औद्योगिक क्षेत्रों, धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों तथा आर्थिक केंद्रों को आधुनिक, सुरक्षित और निर्बाध सड़क नेटवर्क से जोड़ने की व्यापक कार्ययोजना पर तेजी से काम कर रही है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेट्रोपोलिटन विकास का अर्थ केवल बड़े नगरों की सीमाओं का विस्तार नहीं, बल्कि आसपास के छोटे शहरों, नगरीय निकायों और ग्रामीण क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। इन क्षेत्रों में बेहतर सड़कें, सुगम सार्वजनिक परिवहन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ निवेश और रोजगार के नए अवसर विकसित किए जाएंगे। इसके लिए वर्तमान सड़कों का उन्नयन करने के साथ एक्सप्रेस-वे, ग्रीनफील्ड मार्ग, रिंग रोड, बायपास और हाई-स्पीड कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल और उज्जैनङ्कइंदौर मेट्रोपोलिटन क्षेत्रों के बीच आधुनिक एवं निर्बाध संपर्क स्थापित होने से प्रदेश में विकास का एक सशक्त त्रिकोण तैयार होगा। उज्जैन की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता, इंदौर की औद्योगिक एवं व्यावसायिक क्षमता तथा भोपाल की प्रशासनिक, शैक्षणिक और संस्थागत शक्ति परस्पर जुड़कर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई प्रदान करेगी। यह मेट्रोपोलिटन क्षेत्र आने वाले समय में निवेश, उद्योग, व्यापार, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स और रोजगार के प्रमुख ग्रोथ इंजन बनेंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी इकाइयां सक्रिय एवं क्रियाशील हों, गतिविधियों का व्यापक विस्तार करें : मंत्री श्री परमार

मंत्री श्री परमार की अध्यक्षता में मंत्रालय में राष्ट्रीय सेवा योजना राज्य स्तरीय सलाहकर समिति की बैठक हुई

भोपाल (ए.) उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सेवा, नेतृत्व, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित कर उन्हें समाज एवं राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। राष्ट्रीय सेवा योजना को विश्वविद्यालयों का अभिन्न अंग बनाते हुए इसकी गतिविधियों को अधिक व्यापक, प्रभावी और परिणाममूलक बनाया जाए। सभी इकाइयां सक्रिय एवं क्रियाशील हों तथा विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों में दायित्व सौंपकर उनमें नेतृत्व और जिम्मेदारी की भावना विकसित की जाए। मंत्री श्री परमार सोमवार को मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में राष्ट्रीय सेवा योजना की राज्य स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री परमार ने निर्देश दिए कि प्रदेश के जिन विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अभी राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयां नहीं हैं, वहां राज्य मद से नई इकाइयों के गठन के लिए कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सांदीपनि विद्यालयों में भी राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयां प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालय स्तर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों की नियमित समीक्षा करने तथा प्रत्येक इकाई को पूरी तरह सक्रिय एवं क्रियाशील बनाने पर विशेष जोर दिया। मंत्री श्री परमार ने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों को पूर्ण सहयोग प्रदान करें। विद्यार्थियों को केवल सहभागी के रूप में नहीं, बल्कि गतिविधियों की योजना, संचालन और क्रियान्वयन में दायित्व एवं नेतृत्व दिया जाए। इससे उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास होगा। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के गोद ग्रामों की संख्या एवं गतिविधियों का विस्तार करने तथा सेवा कार्यों को स्थानीय आवश्यकताओं और जनभागीदारी से जोड़ने के निर्देश दिए।

युवाओं को नशामुक्ति एवं टी.बी. मुक्त अभियान से जोड़ें

मंत्री श्री परमार ने कहा कि जिला एवं तहसील मुख्यालयों के खेल मैदानों में प्रात:काल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले बड़ी संख्या में युवा आते हैं। इन युवाओं को नशामुक्ति एवं टी.बी. मुक्त अभियान से जोड़ने के लिए विशेष गतिविधियां संचालित की जाएं। इस कार्य में खेल शिक्षकों की भूमिका का प्रभावी उपयोग करते हुए युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित किया जाए।

मंत्री श्री परमार ने राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से बाल अधिकार एवं संरक्षण सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी कार्यों की सफलता की कहानियों का मुद्रित एवं डिजिटल रूप में प्रकाशन करने तथा सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट कार्यों को सामने लाने से स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन होगा और अधिकाधिक युवा जनसेवा से जुड़ने के लिए प्रेरित होंगे।

सावन के दूसरे सोमवार शिवमय हुई उज्जैन नगरी, पालकी में चंद्रमोलेश्वर और हाथी पर मनमहेश ने दिए दर्शन

उज्जैन, (हि.स.)। श्रावण माह के दूसरे सोमवार को बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन शिव भक्ति में डूबी रही। भगवान श्री महाकालेश्वर अपने भक्तों को दर्शन देने और प्रजा का कुशल-मंगल जानने पालकी में श्री चंद्रमोलेश्वर और हाथी पर श्री मनमहेश के स्वरूप में नगर भ्रमण पर निकले। सवारी के दौरान पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। हर-हर महादेव और जय श्री महाकाल के जयघोष से अवंतिका नगरी गूंजती रही। संपूर्ण सवारी मार्ग पर लगभग 7.80 लाख श्रद्धालुओं ने भगवान के दोनों स्वरूपों के दर्शन किए।सवारी से पहले श्री महाकालेश्वर मंदिर के सभामंडप में मुख्य पुजारी पं. घनश्याम शर्मा ने भगवान का पूजन-अर्चन कराया। सर्वप्रथम भगवान श्री महाकालेश्वर का षोडशोपचार पूजन किया गया और इसके बाद आरती हुई। इस अवसर पर संभागायुक्त आशीष सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, श्री महाकालेश्वर मंदिर के कलेक्टर एवं अध्यक्ष रोशन कुमार सिंह, मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक सहित अन्य अधिकारियों ने श्री चंद्रमोलेश्वर का पूजन किया और आरती में सम्मिलित हुए। श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर भगवान का स्वागत किया।

मुख्य द्वार पर दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

पूजन-अर्चन के बाद भगवान श्री चंद्रमोलेश्वर पालकी में सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले। जैसे ही पालकी श्री महाकालेश्वर मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंची, सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने भगवान को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। सवारी के आगे श्री महाकालेश्वर बैंड, लोक कला दल और जनजातीय लोक कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देते हुए चल रहे थे।

सवारी मार्ग पर जगह-जगह खड़े श्रद्धालुओं ने भगवान श्री चंद्रमोलेश्वर और हाथी पर विराजित श्री मनमहेश पर पुष्पवर्षा की। हजारों श्रद्धालु झांझ, मंजीरे, डमरू और ढोल बजाते हुए बाबा महाकाल की भक्ति में लीन होकर सवारी के साथ चलते रहे। उज्जैन के बाहर से आए श्रद्धालु भी बाबा महाकाल की एक झलक पाने के लिए आतुर नजर आए।

क्षिप्रा तट पर हुआ पूजन-अभिषेक

भगवान महाकाल की सवारी महाकाल मंदिर से गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार और कहारवाड़ी होते हुए रामघाट पहुंची। यहां श्री चंद्रमोलेश्वर और श्री मनमहेश का मां क्षिप्रा के जल से अभिषेक एवं पूजन किया गया। रामघाट पर शंखनाद के बीच विधिवत पूजा-अर्चना और आरती संपन्न हुई।इसके बाद सवारी रामघाट से रामानुज कोट, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती का मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा और छत्री चौक होते हुए गोपाल मंदिर पहुंची। यहां परंपरा के अनुसार सिंधिया स्टेट की ओर से गोपाल मंदिर के पुजारी ने पालकी में विराजित श्री चंद्रमोलेश्वर का पूजन किया।

मंत्री राजपूत के नेतृत्व में सागर में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

सागर, (ए.)। मध्य प्रदेश के खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सोमवार को अपने सागर स्थित निवास 'मातेश्वरी' से एक भव्य 'तिरंगा यात्रा' का शुभारंभ किया। इस यात्रा में मंत्री राजपूत हाथ में राष्ट्रध्वज तिरंगा लेकर आगे बढ़े। उनके साथ हजारों कार्यकर्ताओं, युवाओं और आम नागरिकों ने 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के गगनभेदी जयघोष के साथ हिस्सा लिया। इस अवसर पर मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि भारत की आन, बान और शान का प्रतीक है। इसके तीनों रंग और अशोक चक्र हमें देश की विविधता, शांति, साहस, प्रगति और कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। तिरंगे को हाथ में लेना राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी और निष्ठा को व्यक्त करने का माध्यम है।उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के अमूल्य योगदान को याद करते हुए कहा कि आज हम जिस स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, वह असंख्य वीरों के त्याग, तपस्या और बलिदान का परिणाम है। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को देश के गौरवशाली इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ना है।मंत्री राजपूत ने जानकारी दी कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक मंडल में इस तिरंगा यात्रा को भव्य रूप से निकाला जाएगा।

आदिवासी गौरव एवं संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाने विश्व आदिवासी दिवस पर निकाली गई बाइक रैली

जबलपुर (ए.)। विश्व आदिवासी दिवस पर रविवार 9 अगस्त को राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान स्थल जबलपुर से मंडला जिले के रामनगर चौगान तक बाईक रैली निकाली गई। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड और होम स्टे ऑनर्स वेलफेयर सोसाइटी द्वारा जबलपुर पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (जेएटीसीसी) के सहयोग से आयोजित इस रैली में 18 बाइकर्स शामिल थे।बाईक रैली को अपर कलेक्टर रविशंकर राय, मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के साहसिक गतिविधि के संयुक्त संचालक डॉ एस के श्रीवास्तव, एमपीटी के क्षेत्रीय प्रबंधक अनूप शर्मा, मार्केटिंग हेड योगेंद्र रिछारिया, पर्यटन प्रबंधक तरुण मिश्र ने फ्लैग ऑफ कर जबलपुर से रवाना किया। रैली के रवाना होने के पूर्व प्रतिभागियों ने जय सेवा जय जोहार का उदघोष किया तथा राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान को नमन किया।

बरगी बांध में तेजी से बढ़ा जलस्तर, 24 घंटे में 39 इंच की बढ़ोतरी

जबलपुर,(ए.)। मध्य प्रदेश के डिंडौरी, अमरकंटक और मंडला क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते बरगी बांध में पानी की आवक तेजी से बढ़ गई है। बीते 24 घंटे में सोमवार तक बांध का जलस्तर करीब 39 इंच बढ़ा है। बांध में जंगल क्षेत्र से करीब 4 हजार घनमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से पानी पहुंच रहा है। ऐसे में आगामी दिनों में बारिश का दौर जारी रहने पर बांध के गेट खोले जाने की संभावना जताई जा रही है। वर्तमान में बरगी बांध का जलस्तर 417.20 मीटर दर्ज किया गया है, जबकि बांध का अधिकतम जलस्तर 422.76 मीटर है। बांध की कुल जलभराव क्षमता का करीब 57 प्रतिशत पानी वर्तमान में मौजूद है। पिछले वर्ष 10 अगस्त तक बांध का जलस्तर 419.15 मीटर दर्ज किया गया था। बरगी बांध प्रबंधन के अनुसार मंडला, डिंडौरी और आसपास के जलग्रहण क्षेत्रों में पिछले कुछ दिनों से हो रही बारिश के कारण बांध में पानी की आवक लगातार बढ़ रही है। यदि 15 अगस्त तक इसी तरह बारिश जारी रहती है तो जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए बांध के गेट खोले जा सकते हैं। इधर सुबह से जबलपुर शहर में रिमझिम बारिश का दौर जारी रहा। बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। इस सीजन में पहली बार शहर में अच्छी रिमझिम बारिश हुई है।

मूसलाधार बारिश से नदी-नाले उफान पर, सड़के हुई जलमग्न

राजगढ़,(ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में रविवार से शुरू हुई तेज बारिश सोमवार को भी जारी रही। लगातार बारिश से नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया और कई स्थानों पर सड़कें जलमग्न हो गईं।भारी बारिश के चलते ब्यावरा में अजनार नदी का पानी छोटे पुल के ऊपर से बहने लगा। शहर के कुछ निचले रिहायशी इलाकों में भी पानी भर गया, हालांकि प्रशासन ने समय रहते पानी की निकासी कर दी। खजूरिया मार्ग स्थित रेलवे अंडरपास में पानी भरने से कई गांवों का संपर्क प्रभावित हो गया। बारिश के कारण खुजनेर के समीप चिल्डावनिया में सड़क पर तेज बहाव आ गया।

मिट्टी के शिवलिंगों से सजा हरदैनिया पैलेस, गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

मुरैना (ए.)। सावन के दूसरे सोमवार पर मध्य प्रदेश के मुरैना जिला के अम्बाह में भगवान शिव की आराधना का भव्य दृश्य देखने को मिला। हरदैनिया पैलेस में दद्दा जी शिष्य परिवार एवं हर-हर महादेव टीम के संयुक्त तत्वावधान में असंख्य पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण, पूजन और महा रुद्राभिषेक कराया गया। सुबह से ही आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। परिवार सहित पहुंचे श्रद्धालुओं ने मिट्टी से पार्थिव शिवलिंग बनाए और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनका अभिषेक कर भगवान शिव की आराधना की।महा रुद्राभिषेक के बाद श्रद्धालुओं ने सामूहिक यज्ञ में आहुतियां अर्पित कीं। हवन कुंडों से उठता धुआं, मंत्रोच्चार और लगातार गूंजते हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा परिसर शिवमय हो गया। अम्बाह के साथ बरेह, पोरसा और आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु आयोजन में शामिल हुए। आयोजकों की ओर से पूजन, अभिषेक और हवन के लिए आवश्यक सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। आयोजन दद्दाजी एवं गुरुदेव भगवान श्री श्री 1008 माखन दास महाराज के आशीर्वाद और प्रेरणा से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में दद्दा जी शिष्य परिवार के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। पार्थिव शिवलिंग निर्माण की परंपरा में मिट्टी से शिवलिंग तैयार कर विधि-विधान से उनका पूजन और अभिषेक किया जाता है। आयोजन में श्रद्धालुओं ने स्वयं मिट्टी से शिवलिंग तैयार किए।

चेक डेम जीर्णोद्धार से ग्राम डाबरी में जल संरक्षण क्षमता बढ़ी, किसानों को मिला सीधा लाभ

उज्जैन, (ए.)। जनपद पंचायत खचरौद की ग्राम पंचायत डाबरी में वर्षों से गाद जमा होने के कारण चेक डेम की जल संग्रहण क्षमता लगातार

कम हो रही थी। बारिश का पर्याप्त पानी संग्रहित नहीं हो पाने से आसपास के किसानों को सिंचाई के लिए पानी की कमी का सामना करना पड़ता था। ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों की सक्रिय जनभागीदारी से चेक डेम की गाद निकासी एवं साफ-सफाई का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस कार्य में ग्रामीणों ने श्रमदान के साथ भरपूर सहयोग दिया। गाद निकासी के बाद चेक डेम की जल धारण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे अब वर्षा जल का अधिक मात्रा में संरक्षण संभव हो सकेगा।इस कार्य का सबसे बड़ा लाभ किसानों को मिला है। जल संरक्षण बढ़ने से भू-जल स्तर में सुधार हुआ है तथा आसपास के कुओं एवं हैंडपंपों में पानी की उपलब्धता भी बढ़ी है।

व्यापार समाचार

सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ बाजार, निवेशकों के 59 हजार करोड़ डूबे

नई दिल्ली,(ए.)। घरेलू शेयर बाजार आज पूरे दिन सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद सपाट स्तर पर मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। आज की कारोबार की शुरुआत भी सपाट स्तर पर मामूली बढ़त के साथ ही हुई थी। बाजार खुलने के बाद ग्लोबल मार्केट के परस्पर विपरीत संकेतों की वजह से लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक मामूली उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार करते रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.06 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 0.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

बीएसई का सेंसेक्स आज 2.42 अंक की सांकेतिक तेजी के साथ 78,501.59 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के तुरंत बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण पहले पांच मिनट में ही यह सूचकांक 177.81 अंक यानी 0.23 प्रतिशत की उछाल के साथ 78,676.98 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स ने आधे घंटे के कारोबार में ही अपनी सारी बढ़त गंवा दी।कुछ देर में ही ये सूचकांक दिन के ऊपरी स्तर से 375 अंक से अधिक लुढ़क कर 200.25 अंक यानी 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 78,298.92 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10:30 बजे तक ही यह सूचकांक रिकवर कर दोबारा हरे निशान में पहुंच गया। इसके बाद पूरे दिन यह सूचकांक मामूली उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार करता रहा। दिनभर हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 43.27 अंक की मामूली बढ़त के साथ 78,542.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ।सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 10.60 अंक यानी 0.04 प्रतिशत की मामूली उछाल के साथ 24,581.25 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण पहले पांच मिनट में ही यह सूचकांक 50.30 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,620.95 अंक तक पहुंच गया।

इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण निफ्टी की चाल में कमजोरी आने लगी। बिकवाली के दबाव के कारण पहले आधे घंटे के कारोबार में ही यह सूचकांक दिन के ऊपरी स्तर से लगभग 110 अंक फिसल कर 59.55 अंक यानी 0.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,511.10 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद पूरे दिन यह सूचकांक सीमित दायरे में मामूली उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार करता रहा। पूरे दिन हुई लिवाली और बिकवाली के बाद निफ्टी 13.15 अंक की सांकेतिक मजबूती के साथ 24,583.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

व्हाट्सएप में वैश्विक स्तर पर आई दिक्कत, फोटो-वीडियो भेजने में परेशानी; कई देशों के यूजर्स प्रभावित

नई दिल्ली(ए.)। मेटा के स्वामित्व वाले लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप के कई यूजर्स ने सोमवार को सेवा में बाधा (आउटेज) की शिकायत की। इस तकनीकी समस्या का असर खासतौर पर फोटो, वीडियो, स्टिकर्स, गिफ्स (जीआईएफ) और अन्य मीडिया फाइलों को भेजने एवं प्राप्त करने पर देखा गया। भारत समेत कई देशों के यूजर्स ने सोशल मीडिया और आउटेज ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी साझा की। आउटेज मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म डाउनडिटेक्टर के अनुसार, सोमवार सुबह से ही बड़ी संख्या में यूजर्स ने व्हाट्सएप में समस्या की रिपोर्ट करनी शुरू कर दी थी। दर्ज शिकायतों में लगभग 41 प्रतिशत समस्याएं मैसेजिंग, 40 प्रतिशत ऐप के संचालन और करीब 13 प्रतिशत नोटिफिकेशन से संबंधित थीं। यूजर्स के अनुसार, सामान्य टेक्स्ट मैसेजिंग सेवा कई मामलों में काम कर रही थी, लेकिन फोटो और वीडियो जैसी मल्टीमीडिया फाइलों को भेजने में दिक्कत आ रही थी। कई लोगों ने बताया कि तस्वीरें चैट विंडो में दिखाई तो दे रही थीं, लेकिन अपलोडिंग प्रक्रिया पूरी नहीं हो रही थी और वे लंबे समय तक 'सेंडिंग' स्थिति में अटकी रहती थीं।

कुछ उपयोगकर्ताओं ने यह भी शिकायत की कि फोटो और वीडियो अपलोड करते समय लगातार लोडिंग आइकन दिखाई देता रहा या फिर

सिस्टम बार-बार रीट्राई करने का संदेश दे रहा था। इसी तरह, स्टिकर्स और गिफ्स भेजने में भी समस्याएं सामने आईं, जिससे यूजर्स का मानना है कि तकनीकी गड़बड़ी मुख्य रूप से व्हाट्सएप की मल्टीमीडिया सेवाओं से जुड़ी थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, बड़ी साइज की मीडिया फाइलों पर इसका असर और अधिक देखने को मिला। कई मामलों में ऐसी फाइलें अपलोड ही नहीं हो सकीं या उन्हें भेजने में काफी अधिक समय लगा। यह समस्या केवल किसी एक देश या क्षेत्र तक सीमित नहीं रही। भारत के अलावा ब्रिटेन, फ्रांस, ब्राजील, कनाडा, मेक्सिको, स्पेन और कोलंबिया सहित कई देशों से भी ऐसी शिकायतें सामने आईं। विभिन्न देशों से एक जैसी रिपोर्ट मिलने से संकेत मिला कि यह कोई स्थानीय नेटवर्क या डिवाइस संबंधी समस्या नहीं थी, बल्कि प्लेटफॉर्म स्तर पर तकनीकी बाधा हो सकती है। दिक्कत आने के बाद कई उपयोगकर्ताओं ने अपने स्तर पर समस्या दूर करने की कोशिश भी की। उन्होंने स्मार्टफोन रीस्टार्ट किया, वाई-फाई और मोबाइल डेटा के बीच नेटवर्क बदला तथा कुछ ने ऐप को दोबारा इंस्टॉल भी किया। हालांकि अधिकांश यूजर्स ने बताया कि इन उपायों से समस्या का समाधान नहीं हुआ, विशेषकर फोटो और वीडियो भेजने में परेशानी बनी रही। डाउनडिटेक्टर के अनुसार, रविवार को भी व्हाट्सएप सेवाओं में कुछ व्यवधान की शिकायतें दर्ज की गई थीं। हालांकि खबर लिखे जाने तक व्हाट्सएप या उसकी मूल कंपनी मेटा की ओर से इस तकनीकी समस्या को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था।

आयुष्मान भारत योजना में फर्जीवाड़े पर सरकार का बड़ा एक्शन, देश भर के 2,359 अस्पताल योजना से बाहर

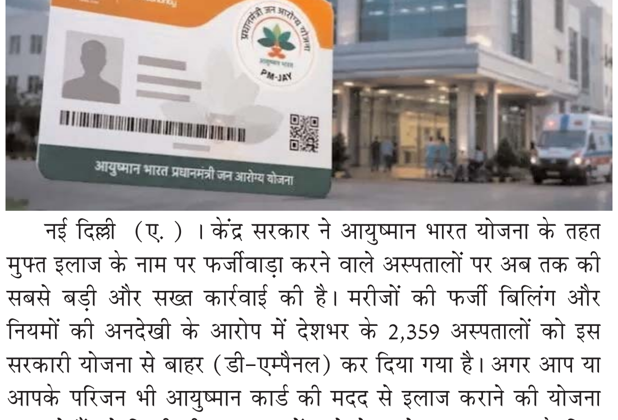

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त इलाज के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वाले अस्पतालों पर अब तक की सबसे बड़ी और सख्त कार्रवाई की है। मरीजों की फर्जी बिलिंग और नियमों की अनदेखी के आरोप में देशभर के 2,359 अस्पतालों को इस सरकारी योजना से बाहर (डी-एम्पैनल) कर दिया गया है। अगर आप या आपके परिजन भी आयुष्मान कार्ड की मदद से इलाज कराने की योजना बना रहे हैं, तो किसी भी अस्पताल में जाने से पहले यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है।

एआई तकनीक से पकड़ी गई चोरी, करोड़ों का भारी जुर्माना

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने हाल ही में लोकसभा में बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मशीन लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों की मदद से इस बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश हुआ है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) के हाई-टेक सिस्टम ने फर्जी क्लेम, एक ही मरीज के नाम पर दोबारा बिल और अनावश्यक जांच को पकड़कर 31 जुलाई 2026 तक करीब 676.14 करोड़ रुपये का सरकारी पैसा लुटने से बचाया है। सरकार ने गड़बड़ी करने वाले इन अस्पतालों पर कुल 328.49 करोड़ रुपये का भारी-भरकम जुर्माना लगाया है और 29 मामलों में एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। इसके अलावा 1,200 अन्य अस्पतालों को निलंबित किया गया है।

मरीजों के लिए अलर्ट, अस्पताल जाने से पहले पोर्टल पर करें चेक

सरकार के इस कड़े कदम का सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा, क्योंकि ब्लैकलिस्ट और सस्पेंड हो चुके अस्पतालों में अब आयुष्मान कार्ड के जरिए 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज नहीं मिल सकेगा। मरीजों को ऐन मौके पर किसी भी तरह की परेशानी से बचने के लिए यह सलाह दी गई है कि वे भर्ती होने से पहले नेशनल हेल्थ अथॉरिटी के पोर्टल पर जाकर अस्पताल की स्थिति जरूर चेक कर लें। राहत की बात यह है कि 8 अगस्त 2026 तक पूरे देश में 38,437 अस्पताल अभी भी इस योजना से जुड़े हुए हैं, जिनमें 20,363 सरकारी और 18,074 निजी अस्पताल शामिल हैं।

कार्रवाई के बीच योजना का तेजी से हो रहा विस्तार

भ्रष्टाचार पर इस चौतरफा प्रहार के बावजूद आयुष्मान भारत योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 3.75 करोड़ नए आयुष्मान कार्ड जारी किए गए और 2.74 करोड़ मरीजों के इलाज को अस्पताल में भर्ती होने की मंजूरी दी गई। केंद्र सरकार ने राज्यों को इलाज के खर्च के लिए 8,438.27 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इस मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा है, जहां 30.6 लाख मरीजों का इलाज हुआ और राज्य को 1,047.53 करोड़ रुपये का केंद्रीय फंड मिला है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है, लेकिन योजना का दुरुपयोग किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ईपीएफओ का बड़ा अलर्ट : पीएफ खाताधारक भूलकर भी न करें ये काम, वरना पल भर में खाली हो जाएगा अकाउंट

नई दिल्ली (ए.)। आपकी जिंदगी भर की गाढ़ी कमाई पर साइबर ठगों की पैनी नजर है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने अपने करोड़ों सदस्यों को फर्जी लिंक और वेबसाइट्स के जरिए हो रही

ऑनलाइन धोखाधड़ी को लेकर एक बेहद अहम चेतावनी जारी की है। हाल ही में सोशल मीडिया के माध्यम से अलर्ट करते हुए ईपीएफओ ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से पहले उसकी सत्यता जरूर जांच लें। आपकी थोड़ी सी भी लापरवाही जालसाजों को आपके पीएफ अकाउंट तक पहुंचा सकती है और आपको भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।ईपीएफओ के मुताबिक, आजकल साइबर ठग ऐसी फर्जी वेबसाइट और लिंक तैयार कर रहे हैं, जो दिखने में बिल्कुल आधिकारिक साइट की तरह ही लगते हैं। इनका मुख्य मकसद लोगों को भ्रम में डालकर उनके खाते से जुड़ी संवेदनशील जानकारी हासिल करना है। अक्सर ठग एसएमएस, ईमेल या सोशल मीडिया के जरिए लुभावने या डराने वाले लिंक भेजते हैं, जिनमें आपकी व्यक्तिगत जानकारी, एटीएम पिन या ओटीपी जैसी डिटेल्स मांगी जाती हैं। ऐसे में किसी भी लिंक पर क्लिक करने या अपनी जानकारी दर्ज करने से पहले वेबसाइट के पते और उसकी विश्वसनीयता की गहन जांच करना बहुत जरूरी है।संगठन ने अपने सभी सदस्यों को सख्त हिदायत दी है कि आधिकारिक वेबसाइट को छोड़कर किसी भी अन्य प्लेटफॉर्म पर अपना मूल यूएएन (UAN), पीपीओ, पासवर्ड, आधार, पैन कार्ड, बैंक डिटेल या ओटीपी शेयर न करें।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

मंजूरियां वैध बनी रहेंगी

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का व्यावहारिक अर्थ है कि बिना पर्यावरण मंजूरी लिए शुरू की गई परियोजनाओं को बाद में हरी झंडी देने का आम रास्ता बंद किया गया है, लेकिन अनेक गलियां खुली रखी गई हैं।

बिना पूर्व पर्यावरण मंजूरी के शुरू कर दी परियोजनाओं को बाद में हरी झंडी देने के लिए 2021 में जारी ऑफिस मेमोरेंडम को रद्द करने का सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऊपर से केंद्र और कॉरपोरेट सेक्टर के लिए भले बड़ा झटका मालूम पड़े, लेकिन असल में न्यायालय ने बीच का रास्ता निकाला है। इससे सिर्फ यह होगा कि ऐसी परियोजनाओं को सामान्य आदेश के तहत पोस्ट फैक्टो मंजूरी नहीं मिलेगी, लेकिन केंद्र हर परियोजना को अलग आदेश के जरिए मंजूरी दे सकेगा। केंद्र ने 2021 में 2017 की अधिसूचना को निष्प्रभावी बनाने के लिए ऑफिस मेमोरेंडम जारी किया था। 2017 की अधिसूचना के तहत पोस्ट फैक्टो (परियोजना शुरू होने के बाद) मंजूरी पर रोक लगी हुई थी।

अब कोर्ट ने फैसला दिया है कि 2021 के ऑफिस मेमोरेंडम के जरिए भविष्य में पोस्ट फैक्टो मंजूरियां नहीं दी जा सकेंगी, लेकिन अब तक दी जा चुकीं मंजूरियां वैध बनी रहेंगी। इस तरह लगभग 20,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को पर्यावरण संरक्षण संबंधी शर्तों से मुक्त कर दिया है। भविष्य के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि सरकार चाहे तो वैधानिक अधिसूचना या माफी (एमनेस्टी) योजना के जरिए असाधारण मामलों में पोस्ट-फैक्टो मंजूरी दे सकेगी। कोर्ट कहा है कि असाधारण या सार्वजनिक हित में पोस्ट फैक्टो मंजूरी देना हो, तो पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम-1986 की धारा 3 के तहत विधिवत अधिसूचना/ संशोधन जारी करना अनिवार्य होगा।

यानी इस माध्यम से मंजूरी का रास्ता खुला रखा गया है। तीन जजों की बेंच ने यह व्यवस्था भी दी कि सुप्रीम कोर्ट का संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत विशेष परिस्थितियों में पोस्ट-फैक्टो मंजूरी देने का असाधारण अधिकार सुरक्षित रहेगा। तो इस फैसले का व्यावहारिक अर्थ है कि बिना पर्यावरण मंजूरी लिए शुरू कर दी गई परियोजनाओं को बाद में हरी झंडी देने का आम रास्ता बंद किया गया है, लेकिन अनेक गलियां या पगडंडियां खुली रखी गई हैं। 2021 के ऑफिस मेमोरेंडम को पर्यावरण संरक्षण पर कॉरपोरेट हितों को तहजीह देने के सरकारी नजरिए का उदाहरण माना गया था। इस नजरिए को आगे बढ़ने के लिए केंद्र के पास आगे भी पर्याप्त अवसर बने रहेंगे।

सोशल मीडिया और विश्वसनीयता

योगेश के. सोनी

मेटा के स्वामित्व वाले फेसबुक से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एक वीडियो हटाए जाने की घटना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता, तकनीकी सुरक्षा और कंटेंट मॉडरेशन को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। मेटा ने बाद में स्पष्ट किया कि वीडियो किसी जानबूझकर की गई कार्रवाई के कारण नहीं, बल्कि तकनीकी त्रुटि के चलते हट गया था। इसके बावजूद यह घटना कई गंभीर सवाल छोड़ गई है। सवाल यह है कि यदि देश के प्रधानमंत्री के आधिकारिक अकाउंट से जुड़ी सामग्री भी तकनीकी गड़बड़ी की शिकार हो सकती है, तो आम उपयोगकर्ताओं के अकाउंट और उनकी सामग्री कितनी सुरक्षित है?

आज सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है। करोड़ों लोग समाचार, सरकारी सूचनाओं, विचारों और घटनाओं की जानकारी के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर हैं। देश-दुनिया में कहीं भी कोई महत्वपूर्ण घटना होती है तो उसकी जानकारी कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया के माध्यम से लाखों लोगों तक पहुंच जाती है। इसका सकारात्मक प्रभाव भी है और नकारात्मक प्रभाव भी। ऐसे माहौल में किसी महत्वपूर्ण वीडियो या पोस्ट का अचानक हट जाना, गलत तरीके से सीमित होना या उसके प्रसार में असामान्य बदलाव आना लोगों के बीच भ्रम पैदा कर सकता है। खासतौर पर जब सामग्री किसी संवेदनशील सामाजिक या राजनीतिक विषय से जुड़ी हो, तब पारदर्शिता और जवाबदेही और भी जरूरी हो जाती है। प्रधानमंत्री मोदी सोशल मीडिया पर दुनिया के सबसे सक्रिय नेताओं में शामिल हैं। उनके संदेश और वीडियो को देश-विदेश में करोड़ों लोग देखते हैं। जिस वीडियो के हटने को लेकर हाल में चर्चा हुई वह छात्रों और पेपर लीक जैसे संवेदनशील मुद्दे से संबंधित बताया गया। ऐसे में उसके अचानक गायब होने से सवाल उठना स्वाभाविक है। मेटा की तकनीकी त्रुटि की सफाई आने के बाद मामला स्पष्ट जरूर हुआ, लेकिन इसने डिजिटल प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता पर बहस को जरूर जन्म दे दिया। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती आज कंटेंट की बाढ़ है। हर दिन करोड़ों पोस्ट, वीडियो, तस्वीरें और संदेश अपलोड होते हैं।इनमें तथ्यात्मक जानकारी के साथ-साथ फर्जी खबरें, भ्रामक वीडियो, आपत्तिजनक सामग्री और उकसाने वाले संदेश भी शामिल होते हैं। कई बार कोई वीडियो बिना पूरी जानकारी या सत्यापन के तेजी से वायरल हो

जाता है। लोग उसे सच मानकर आगे साझा करते रहते हैं और देखते ही देखते वह संदेश बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच जाता है। ऐसे मामलों में सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हाल के कुछ प्रदर्शनों और सार्वजनिक घटनाओं से जुड़े वायरल वीडियो को लेकर भी यही सवाल उठे हैं कि आपत्तिजनक या भड़काऊ सामग्री तेजी से कैसे फैल जाती है, जबकि तथ्यात्मक और संतुलित सामग्री उतनी तेजी से लोगों तक क्यों नहीं पहुंचती। यदि किसी सामग्री में किसी व्यक्ति, समुदाय या देश के खिलाफ आपत्तिजनक अथवा उकसाने वाली भाषा है तो उसके संबंध में प्लेटफॉर्म की मॉडरेशन नीति कितनी प्रभावी है इसकी समीक्षा आवश्यक है।यहां यह भी समझना होगा कि किसी वीडियो का वायरल होना अपने आप में यह साबित नहीं करता कि प्लेटफॉर्म ने जानबूझकर उसे बढ़ावा दिया है। सोशल मीडिया की पहुंच पर एल्गोरिदम, यूजर इंटरैक्शन, शेयरिंग और ट्रेंडिंग जैसे कई कारक प्रभाव डालते हैं। इसलिए किसी भी प्लेटफॉर्म की भूमिका पर निष्कर्ष निकालने से पहले पारदर्शी जांच और ठोस आंकड़ों की जरूरत है। सोशल मीडिया से जुड़ी समस्या केवल कंटेंट तक सीमित नहीं है। फर्जी प्रोफाइल, अकाउंट हैकिंग, ऑनलाइन ठगी, पहचान की चोरी और फर्जी तस्वीरों के इस्तेमाल जैसी घटनाएं भी चिंता का विषय हैं।अपराधी कई बार किसी व्यक्ति के नाम और तस्वीर का इस्तेमाल कर फर्जी अकाउंट बनाते हैं और उसके परिचितों से पैसे मांगते हैं। कुछ मामलों में फोटो के साथ छेड़छाड़ कर किसी व्यक्ति को बदनाम करने का प्रयास किया जाता है। ऐसी घटनाएं पीड़ित की सामाजिक प्रतिष्ठा, मानसिक स्थिति और निजी जीवन पर गंभीर प्रभाव डाल सकती हैं। इसलिए सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी केवल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं हो सकती। उन्हें अकाउंट सुरक्षा, फर्जी प्रोफाइल की पहचान, रिपोर्टिंग सिस्टम और शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर भी लगातार काम करना होगा। सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के बीच बच्चों और किशोरों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण मुद्दा है। कम उम्र के उपयोगकर्ताओं तक किस तरह की सामग्री पहुंच रही है, इसका उनके व्यवहार और मानसिक विकास पर क्या असर पड़ रहा है और प्लेटफॉर्म उन्हें किस तरह सुरक्षित रखते हैं।इन सवालों पर दुनिया भर में बहस हो रही है। एल्गोरिदम की पारदर्शिता भी एक बड़ा विषय है। उपयोगकर्ता को यह स्पष्ट रूप से पता नहीं होता कि उसके सामने कोई सामग्री क्यों दिखाई जा रही है और दूसरी सामग्री क्यों नहीं। यदि किसी प्लेटफॉर्म का एल्गोरिदम लगातार विवादास्पद या सनसनीखेज सामग्री को अधिक लोगों तक पहुंचाता है, तो इससे समाज में ध्रुवीकरण और गलत सूचना का प्रसार बढ़ सकता है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति की आजादी को अभूतपूर्व विस्तार दिया है। आज आम व्यक्ति भी अपनी बात लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है। लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी है। देशहित, समाज, बच्चों के भविष्य और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर तथ्यात्मक जानकारी सामने आनी चाहिए। साथ ही हिंसा, नफरत, धमकी, फर्जी सूचना और किसी व्यक्ति या समुदाय को नुकसान पहुंचाने वाली सामग्री के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई भी जरूरी है। समस्या तब पैदा होती है जब उपयोगकर्ता को यह महसूस होने लगे कि कंटेंट मॉडरेशन के नियम समान रूप से लागू नहीं हो रहे हैं।किसी भी प्लेटफॉर्म के लिए यह धारणा उसकी विश्वसनीयता के लिए नुकसानदायक हो सकती है। इसलिए मेटा सहित सभी सोशल मीडिया कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके नियम स्पष्ट हों और उनका पालन पारदर्शी तथा समान तरीके से हो। तकनीकी गड़बड़ी पूरी तरह समाप्त नहीं की जा सकती। बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कभी-कभी तकनीकी समस्याएं आ सकती हैं। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि ऐसी समस्या होने पर कंपनी कितनी जल्दी उसे पहचानती है, कितनी पारदर्शिता से इसकी जानकारी देती है और प्रभावित उपयोगकर्ता को कितनी जल्दी समाधान उपलब्ध कराती है।

भारत में कॉकरोचों का ज्वालामुखी फूट पड़ा

हरिशंकर व्यास

नरेंद्र मोदी को समय विशेष ने भारत का प्रधानमंत्री बनाया था। अब समय ही जुलाई 2026 में बता रहा है कि उनकी एक्सपायरी के साथ संघ परिवार और हिंदू राजनीति का भी तिया-पांचा नत्थी है! कैसे? बुनियादी बात यह है कि मोदी राज ने हिंदुओं के चाल, चेहरे और चरित्र का वह खुलासा देश (अर्थात भारत की मिलेनियल, जेन-ज़ेड और अल्फा पीढ़ी) तथा दुनिया (अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन से लेकर आसियान और पड़ोसी देशों तक) के सामने ला दिया है। इसका लब्बोलुआब है कि उसकी 'चाल' देश को पराश्रित और बिकाऊ बाजार बनाने की है, उसका 'चेहरा' मनुष्य को कॉकरोच मानने वाला है और उसका 'चरित्र' नैतिकताविहीन भय, भूख और भक्ति पर टिका है। तभी हिंदुओं की मौजूदा युवा पीढ़ी और अगली पीढ़ी के बीच कथित चाल, चेहरा और चरित्र मजाक, मखौल और घृणा का विषय है।

जरा मई 2025 के ऑपरेशन सिंदूर से जुलाई 2026 तक की घटनाओं पर गौर करें। क्या एक भी ऐसी घटना हुई, जिससे प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की जैविक वाहवाही हुई? सरकार ने शक्ति और जीत का जैसा जो नैरेटिव बनाया, उस पर देश-दुनिया की प्रतिक्रिया क्या थी? मोदी-शाह भले इस गलतफहमी में रहे हों कि भक्त झूम रहे हैं। 2024 के आम चुनाव में अप्रत्याशित झटके के बाद उन्होंने हरियाणा, महाराष्ट्र, बिहार, बंगाल, असम जीत लिए। भक्तों ने नगाड़ा भी बजाया। पर जितना बजाया, उससे अधिक साख बिगड़ी। हिंदू राजनीति का चाल, चेहरा और चरित्र लुढ़का। सोचें, ऑपरेशन सिंदूर के बाद विश्व राजनीति में भारत का जलवा बना या पाकिस्तान का? वैसे ही भारत में मोदी, भाजपा और संघ की हर जीत, चुनाव आयोग, संसदीय कार्यवाही, सुप्रीम कोर्ट आदि हर संस्था की साख का भट्ठा बैठाने वाली थी। क्या है चुनाव आयोग की अब साख? भारत के चीफ जस्टिस ने 15 मई 2026 को एक ही तो शब्द बोला था। पर भारत में कॉकरोचों का ज्वालामुखी फूट पड़ा।

कभी-कभी एक शब्द भी गजब ढाता है

शंकर शरण

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने दिया था। उन के शब्दों ने हिटलर के सामने पस्त हो रहे इंग्लैंड को बल दिया। इस हद तक कि कई यूरोपीय देशों को टिके रह कर लड़ने का हौसला मिला।ज. चर्चिल ने अंग्रेजी भाषा को बुलाया और उसे युद्धभूमि में उतार दिया। आज कम लोग याद करते हैं कि चर्चिल को 1953 में साहित्य का नोबल पुरस्कार मिला था — इतिहास और साहित्यिक लेखन, तथा उदात्त मानवीय मूल्यों की रक्षा में अद्भुत वक्तृता के लिए।ज कला के किसी अन्य माध्यम में इतने शक्ति-संचय और प्रभाव की संभावना नहीं है।

देखें तो एक शब्द — 'कॉकरोच' — ने निवर्तमान शिक्षा मंत्री के पद की बलि ले ली। चाहे इस से उन का संबंध नहीं था। पर सामाजिक क्षेत्र में प्रयोग होकर वह शब्द तीखा बन गया था। उस का जन्म हिकारत और घमंड की भावना से हुआ था। इसलिए 'पार्टी' रूप में शरीर पाकर एक कोरे शब्द ने शक्ति रूप धारण कर लिया। वह बलि माँगने लगा, और परिस्थितिवश उस के सामने शिक्षा मंत्री पड़ गये!

फिर उस ने कुछ ही दिनों में उन्हें अपदस्थ कर डाला। उस सरकार को हिला दिया जिसे बारह साल से कोई दल या नेता झुकाने में विफल रहा था। पर चार दिन पहले बनी कॉकरोच जनता पार्टी, जो कहीं औपचारिक दर्ज भी नहीं, ने सीधी झड़प में उसे झुकाया। यदि 'कॉकरोच' शब्द उस सामाजिक अर्थ में उच्चरित होकर अवतरित न हुआ होता, तो क्या भारतीय राजनीति में वह होता जो गत सप्ताह हुआ?

कॉकरोच पार्टी बनाने से पहले अभिजीत दीपके एक साधारण छात्र था। वह वही बना रहता, यदि सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने 15 मई 2026 को इस शब्द का वैसा प्रयोग न किया होता। जिस का समाचार हजारों मील दूर दीपके ने सुनकर अपना क्षोभ व्यक्त करने के लिए उस नाम से एक व्यंग्यात्मक पार्टी बनाई। महज शाब्दिक!

जैसे कॉकरोच नाम भर था, वैसे ही कॉकरोच पार्टी भी। एक एक्स (ट्विटर) मंच, जहाँ उस ने वैसे 'कॉकरोचों' को इकट्ठा होने की अपील की। ऐसी गतिविधि सोशल मीडिया पर हजारों लोग करते रहते हैं। दुनिया भर में बड़े-बड़े सितारे, नेता, लेखक, पत्रकार ट्विटर पर कुछ न कुछ लिखते बोलते हैं और उन के लाखों फॉलोअर उसे लाइक करते हैं। उस से कुछ नहीं होता।

पर इस सामाजिक शब्द, 'कॉकरोच', का जिस रूप में जन्म हुआ उस में तीखा अर्थ भरा हुआ था। चीफ जस्टिस ने 15 मई को अपनी अदालत में किंचित वितृष्णा से कहा, कुछ युवक कॉकरोच की तरह होते हैं, जिन्हें कोई रोजगार नहीं मिलता और किसी भी पेशे में उनके लिए कोई स्थान नहीं होता। उनमें से कुछ मीडिया में चले जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं, और फिर वे हर किसी पर हमला करना शुरू कर देते हैं। उन की बात में सत्य का अंश था। कुछ लोग किसी बड़े व्यक्ति या संस्था को निशाना बनाकर सफल होने की तिकड़म करते ही रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दायर करना इस का एक साधन रहा है।

परन्तु जिस तरह चीफ जस्टिस ने हल्के से वैसे लोगों को 'बेरोजगार युवक' कह दिया, वह बात एक तिक्त युवा समूह पर जाकर बैठ गई। यानी, उन भरे बैठे बेरोजगार युवकों पर जो कई तरह से योग्य होते हुए भी शासकों के भ्रष्टाचार, जातिवाद, आरक्षण, दलबंदी, स्थान की कमी, कुशिक्षा, आदि कारणों से बेकारी, और फलत: उपेक्षा व कष्ट झेलते हैं।

सो चीफ जस्टिस के उस शब्द की बराबर और विपरीत प्रतिक्रिया हुई। दूसरे दिन,16 मई को, दीपके ने उस शब्द से 'कॉकरोच जनता पार्टी' नाम से एक ट्विटर हैंडल बनाया। एक ही दिन में उस के उनतीस हजार फॉलोअर बन गये। चार दिन में उन की संख्या दो लाख हो गई। पाँचवें दिन सत्ताधारियों के दबाव से ट्विटर ने भारत में उस हैंडल को हटा दिया। छठे दिन, 22 मई को दीपके ने 'कॉकरोच इज बैक' नाम से नया हैंडल बनाकर 'कॉकरोचों' द्वारा शिक्षा मंत्री का इस्तीफा माँगने का अभियान आरंभ किया, क्योंकि कई परीक्षाओं के पर्चे लीक होने से देश भर के छात्रों को बार-बार परेशानी हो रही थी।

इस अनायास आह्वान ने देश के युवाओं के क्षोभ को एक रास्ता और स्वर दे दिया। जो सत्ताधारियों की लापरवाही और गैर-जबावदेही से दु:खी थे। उस दु:ख को 'कॉकरोच' बिल्ले के क्षोभ ने एक नैतिक धार दे दी। एक तो, उन्हें देश के सत्ताधारी वितृष्णा से देखते हैं — आखिर न्यायाधीश सरकार का तीसरा अंग हैं। दूसरे, पर्चे लीक एवं शैक्षिक तंत्र की लापरवाहियों के लिए कोई जिम्मेदार नहीं! प्रधानमंत्री आए-दिन कुछ कुछ बोलते रहते हैं, पर लाखों छात्रों के साथ हो रहे अन्याय पर चुप बने रहे हैं।

फलत: यह दोहरा आक्रोश जुड़ कर दीपके द्वारा 22 मई को एक ठोस माँग में परिणत हुआ। फिर उस ने 6 जून को जंतर-मंतर पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के लिए धरना शुरू किया। उस में जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी आ जुड़े। फिर उन के समर्थन में बड़े लोग बयान देने लगे। इस प्रकार, शिक्षा तंत्र में लापरवाही की जिम्मेदारी के लिए मंत्री के इस्तीफे की माँग एक भौतिक शक्ति बन गई। उस ने अन्य शक्तियों को भी आकर्षित किया।

इस तरह, 15 मई को 'कॉकरोच' शब्द के जन्म लेने, अगले दिन उस की प्रतिक्रिया में ट्विटर पर 'कॉकरोच पार्टी' बनने, वहीं 22 मई को 'कॉकरोच' द्वारा शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की माँग का आरंभ, फिर 6 जून से जंतर-मंतर धरना, और अंतत: 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री का इस्तीफा — यह सब मूलत: उस एक शब्द के उच्चारण से बनी गति है।

चीफ जस्टिस का कहा एक शब्द अनजाने पूरी सरकार पर भारी पड़ गया। यदि वह शब्द उस रूप में उच्चरित और अवतरित न हुआ होता, तो गत दो महीने की घटनाएं शायद ही घटी होती। यह संयोग भी था। परन्तु एक शब्द की शक्ति भी, जो कभी-कभी कैसा रूप दिखा सकती है!

इस से पहले भारतीय राजनीति में एक शब्द का प्रभाव छब्बीस वर्ष पहले देखा गया था। जब भाजपा के उभरते नेता गोविंदाचार्य ने 1997 में अपने सर्वोच्च नेता वाजपेई के लिए 'मुखौटा' शब्द का प्रयोग किया था। यद्यपि उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा था। पर स्वयं भाजपा के बड़ों द्वारा उसे सत्य मानने से बात जमी रह गई। तब के हालात में वह शब्द सही लगता भी था। पर जल्द ही गोविंदाचार्य को भुगतना पड़ा। उन का राजनीतिक कैरियर ही खत्म हो गया। पहले उन्हें किनारे किया गया। फिर पार्टी में उन की कोई जगह न बन सकी।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज के दिन किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में बढ़ोतरी करेगा। आज के दिन आप ऐसे काम करें जिनसे आपको खुशी मिले, लेकिन दूसरों के मामलों में दखलअंदाजी करने से भी बचें तो और भी अच्छा रहेगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज खुद को आशावादी बनने के लिए प्रेरित करें, इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और व्यवहार लचीला बनेगा। आज अचानक आए ख़र्चे आपका आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं लेकिन जीवनसाथी की सहायता से आप हर मुश्किल से पार पा लेंगे। आज बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आप अपनी ख़ुशियों को दूसरों के साथ साझा करेंगे इससे आपकी खुशी और बढ़ेगी। आज लंबे समय से अटके मुआवजा और कर्ज आदि से आपको छुटकारा मिलने के योग बन रहे हैं। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की मदद के बिना महत्वपूर्ण कामों को कर सकते हैं, तो आपको बिना देरी किये काम को शुरू कर देना चाहिए।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज रचनात्मक काम आपको सुकून देगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज आपको अच्छा-खासा धन लाभ होने के योग बन रहे है।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आपके विनम्र स्वभाव की सराहना होगी। आज आसपास के व्यक्ति आपके स्वभाव की तारीफ करेंगे। आप व्यापार को मजबूती देने के लिए आज कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहेगा। आज किसी से भी अपने विचार व्यक्त करने में हिचकिचाएं नहीं। आज आप आत्मविश्वास की कमी को ख़ुद पर हावी न होने दें, आप पूरे फोकस के साथ काम करें तो आपको अच्छा परिणाम मिलेगा।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहेगा। आज आप किसी काम को मेहनत और लगन से पूरा करेंगें , जिसमें आपको सफलता मिलेगी। जीवन के अहम दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करेंगे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। स्वास्थ्य समस्या से आज आपको काफी रिलैक्स होने की संभावनाएं हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीजों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अचानक मिला कोई सुखद संदेश आपको खुश कर देगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। दोस्तों के साथ आज की शाम अच्छी रहेगी लेकिन समय का ख्याल आपको रखना पड़ेगा नहीं तो माता जी डांट पड़ सकती है। विवाहित दंपतियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। आज जरूरत के वक्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आज जरूरी काम में मन लगाएं और जज्बाती बातों से बचें। जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सम्मान दिलाएगा। पारिवारिक संबंधों में गहराई और अपनापन आपको महसूस हो सकता है। आज किसी समारोह के होने कारण से आपकी जिम्मेदारी बढ़ सकती है जिसे आप बखूबी पूरा भी करेंगे।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आप मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल-कूद को शामिल करेंगे। आज घर की छोटी-छोटी खुशियों में शामिल होकर आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के जरिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे।

बौद्धिक विरासत का संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता की हकदार।

संजीव ठाकुर,

किसी राष्ट्र की पहचान केवल उसकी आर्थिक प्रगति, आधुनिक तकनीक, चमचमाते शहरों और ऊँची इमारतों से नहीं होती। राष्ट्र की वास्तविक पहचान उसकी स्मृतियों, संस्कारों, अनुभवों और आने वाली पीढ़ियों के सपनों में होती है। जिस समाज ने अपने अतीत को सम्मान दिया, वर्तमान को संवारा और भविष्य को संस्कार दिए, वही समाज दीर्घकाल तक अपनी सभ्यता और संस्कृति को जीवित रख सका। बुजुर्ग हमारी बौद्धिक विरासत हैं, महिलाएँ हमारी सांस्कृतिक एवं पारंपरिक शक्ति हैं और बच्चे राष्ट्र के सशक्त भविष्य की आधारशिला हैं। इन तीनों को अलग-अलग देखने के बजाय एक ऐसी जीवन-श्रृंखला के रूप में देखना होगा, जिसमें अतीत का अनुभव वर्तमान के संस्कारों से होकर भविष्य की संभावनाओं में बदलता है। आज हम सूचना के ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ एक क्लिक पर हजारों सूचनाएँ उपलब्ध हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कुछ ही क्षणों में जटिल प्रश्नों के उत्तर दे सकती है, लेकिन जीवन के अनुभव का कोई डिजिटल विकल्प नहीं है।

एक बुजुर्ग ने जीवन में जितने उतार-चढ़ाव देखे हैं, वे किसी पाठ्यपुस्तक में नहीं मिल सकते। उन्होंने अभाव का समय देखा, संघर्ष किया, रिश्तों को निभाया, सामाजिक परिवर्तन को अपनी आँखों के सामने घटित होते देखा और अपने अनुभव से परिवारों को संभाला। इसलिए बुजुर्गों को केवल आयु के आधार पर निर्भर व्यक्ति समझना उनके व्यक्तित्व और समाज में उनके योगदान को छोटा करना है।भारतीय परंपरा ने सदैव वृद्धों के अनुभव को महत्व दिया। मनुस्मृति में कहा गया है—

अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम्॥

अर्थात जो व्यक्ति वृद्धों का सम्मान और सेवा करता है, उसकी आयु, विद्या, यश और बल में वृद्धि होती है। आज इस श्लोक को केवल धार्मिक संदर्भ में नहीं, बल्कि सामाजिक विज्ञान के संदर्भ में भी समझने की आवश्यकता है। बुजुर्गों के पास अनुभव की वह पूँजी है, जिसे अगली पीढ़ी तक पहुँचाना राष्ट्र की बौद्धिक संपदा का संरक्षण है। दुर्भाग्य से आधुनिक जीवन में संयुक्त परिवारों के विघटन, रोजगार के लिए पलायन और व्यस्त जीवनशैली ने बुजुर्गों के सामने अकेलेपन की समस्या खड़ी की है। कई बार घर में रहते हुए भी वे संवाद से बाहर हो जाते हैं।

समस्या का समाधान केवल वृद्धाश्रम नहीं है। वृद्धाश्रम आवश्यकता की स्थिति में उपयोगी संस्था हो सकता है, लेकिन परिवार का विकल्प नहीं। बुजुर्गों को सबसे अधिक आवश्यकता सम्मान, संवाद, अपनत्व और निर्णयों में सहभागिता की है। महिलाएँ संस्कृति की मौन वाहक होती हैं।भारत की सांस्कृतिक परंपरा को यदि किसी ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रखा है तो उसमें महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। बच्चे की पहली भाषा, पहला संस्कार, पहली प्रार्थना, पहला लोकगीत और परिवार के अनेक रीति-रिवाज अक्सर माँ और दादी-नानी के माध्यम से ही बच्चे तक पहुँचते हैं।

इसलिए महिला को केवल परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित करके देखना उसकी वास्तविक भूमिका को कम करके देखना है।स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि

किसी राष्ट्र की प्रगति का सर्वोत्तम थर्मामीटर उसकी महिलाओं की स्थिति है। जिस देश की महिलाएँ शिक्षित, सुरक्षित, स्वावलंबी और निर्णय लेने में सक्षम होंगी, वहाँ परिवार और समाज दोनों मजबूत होंगे। भारतीय इतिहास में अहिल्याबाई होल्कर, रानी लक्ष्मीबाई, सावित्रीबाई फुले और अनेक महिलाओं ने यह सिद्ध किया कि नारी केवल संवेदना की प्रतीक नहीं, बल्कि नेतृत्व, संघर्ष, ज्ञान और परिवर्तन की शक्ति भी है।

इसलिए महिलाओं के सम्मान की बात केवल भावनात्मक विषय नहीं होनी चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, आर्थिक आत्मनिर्भरता और समान अवसर ये महिला सशक्तीकरण के वास्तविक आधार हैं। यदि बुजुर्ग अनुभव हैं और महिलाएँ संस्कारों की वाहक हैं, तो बच्चे उस अनुभव और संस्कार के भविष्य हैं।

पंडित जवाहरलाल नेहरू का बच्चों के प्रति विशेष लगाव था। वे बच्चों को देश की भावी शक्ति मानते थे। उनका प्रसिद्ध विचार था कि आज के बच्चे ही कल का भारत बनाएँगे।

यह विचार हमें याद दिलाता है कि बच्चों की शिक्षा और परवरिश केवल माता-पिता की निजी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व है।।आज बच्चों के सामने नई चुनौतियाँ हैं। इंटरनेट, सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल मनोरंजन ने ज्ञान के अवसर बढ़ाए हैं, लेकिन इनके साथ ध्यान भटकने, सामाजिक अलगाव और वास्तविक संवाद कम होने जैसी चुनौतियाँ भी सामने आई हैं।

बच्चों को केवल महँगे विद्यालय और आधुनिक उपकरण देना पर्याप्त नहीं है। उन्हें समय, संस्कार, अनुशासन, संवेदना, खेल, प्रकृति और परिवार के बुजुर्गों का सान्निध्य भी चाहिए।

एक बच्चा जब दादा-दादी से कोई कहानी सुनता है तो वह केवल कहानी नहीं सुन रहा होता; वह परिवार का इतिहास, भाषा, लोकस्मृति और जीवन-दर्शन ग्रहण कर रहा होता है।

आज हमारे सामने एक विचित्र स्थिति है। बुजुर्गों के पास अनुभव है, युवाओं के पास ऊर्जा है और बच्चों के पास भविष्य की संभावनाएँ हैं, लेकिन इन तीनों के बीच संवाद लगातार कम हो रहा है।

उत्तराखंड और उत्तरकाशी में लगे भूकंप के तेज झटके, सहमे लोग अपने घरों से निकले बाहर

उत्तरकाशी,(आरएनएस)। उत्तराखंड में भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। उत्तरकाशी जिले में 4.2 तीव्रता के भूकंप ने लोगों को घरों से बाहर निकलने पर मजबूर कर दिया। वहीं, टिहरी गढ़वाल के कुछ इलाकों में भी 2.0 तीव्रता का हल्का भूकंप दर्ज किया गया। दोनों जिलों में फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है।

उत्तरकाशी में भूकंप का झटका रात करीब 1~21 बजे महसूस किया गया। यमुना और गंगा घाटी समेत जिले के कई क्षेत्रों में धरती हिलने से लोग घबरा गए और आनन-फानन में घरों से बाहर निकल आए। कई लोगों ने अपने परिजनों और आसपास रहने वाले लोगों को फोन कर भूकंप की जानकारी ली।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक उत्तरकाशी में आए भूकंप की तीव्रता 4.2 रही और इसका केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर नीचे था। भूकंप का केंद्र उत्तरकाशी जिले में बड़कोट तहसील मुख्यालय के समीप राजगढ़ी क्षेत्र के आसपास बताया गया है।

टिहरी में भी महसूस हुए झटके

टिहरी गढ़वाल के कीर्तिनगर और घनसाली क्षेत्र में भी सोमवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार इसकी तीव्रता 2.0 रही और इसकी गहराई करीब 5 किलोमीटर थी। हालांकि यह झटका हल्का था और इससे किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं मिली। भूकंप के बाद दोनों जिलों में प्रशासन ने स्थिति पर नजर बनाए रखी। फिलहाल कहीं से भी भवन क्षति या किसी व्यक्ति के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है।

राष्ट्रीय युवा संसद योजना का उन्नत संस्करण एनवाईपीएस 2.0 देशभर के नागरिकों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए खुला

नई दिल्ली, (आरएनएस)। संसदीय कार्य मंत्रालय ने राष्ट्रीय युवा संसद योजना (एनवाईपीएस) के वेब पोर्टल का उन्नत संस्करण एनवाईपीएस 2.0 शुरू किया है। इसका उद्देश्य युवा संसद योजना की पहुंच को व्यापक बनाना और देशभर के अधिक से अधिक शैक्षणिक संस्थानों, समूहों तथा नागरिकों को संसदीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली से जोड़ना है।

संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने सोमवार को राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनवाईपीएस 2.0 की शुरुआत 11 सितंबर 2024 को की गई थी। इसके पहले वाला पोर्टल केवल मान्यता प्राप्त संस्थानों के छात्रों तक सीमित था, जबकि नया संस्करण देशभर के सभी शैक्षणिक संस्थानों, समूहों और नागरिकों के लिए उपलब्ध कराया गया है।

ओडिशा की अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए नेतृत्व और क्षमता निर्माण के अवसर

नई दिल्ली (आरएनएस)। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने ओडिशा सहित देशभर की अल्पसंख्यक महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक सशक्तिकरण के लिए नेतृत्व विकास और क्षमता निर्माण से जुड़ी विभिन्न पहलें लागू की हैं। सरकार का जोर महिलाओं को कौशल, नेतृत्व, उद्यमिता और सरकारी एवं वित्तीय संस्थानों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए आवश्यक ज्ञान और साधन उपलब्ध कराने पर है।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

'नई रोशनी' योजना के जरिए नेतृत्व विकास

मंत्रालय की पूर्ववर्ती योजनाओं के तहत 'अल्पसंख्यक महिलाओं का नेतृत्व विकास' (नई रोशनी) योजना लागू की गई थी। इसका उद्देश्य अल्पसंख्यक महिलाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करना, उनके अधिकारों और विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत मिलने वाली पात्रताओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनके सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था।

योजना के माध्यम से महिलाओं को सरकारी व्यवस्था, बैंकिंग प्रणाली और विभिन्न स्तरों पर अन्य संस्थानों के साथ संवाद एवं समन्वय करने के लिए आवश्यक ज्ञान, उपकरण और तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया।

'नई रोशनी' योजना देशभर में लागू की गई थी और इसमें ओडिशा भी शामिल था। योजना का क्रियान्वयन सूचीबद्ध परियोजना कार्यान्वयन एजेंसियों के माध्यम से किया गया।

अब 'पीएम विकास' के तहत विभिन्न पहलें

मंत्रालय ने अपनी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को अब एकीकृत छाता योजना 'पीएम विकास' (प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन) के तहत शामिल किया है। इस योजना का उद्देश्य छह अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

पीएम विकास के तहत कौशल विकास, नेतृत्व एवं उद्यमिता विकास, शिक्षा सहायता तथा बुनियादी ढांचे से संबंधित विभिन्न हस्तक्षेप किए जा रहे हैं।

ओडिशा की महिलाएं भी योजनाओं में भागीदारी की पात्र

सरकार के अनुसार, ओडिशा सहित देशभर की अल्पसंख्यक महिलाएं योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार पीएम विकास के विभिन्न घटकों का लाभ लेने और उनमें भाग लेने के लिए पात्र हैं।

इनमें कौशल विकास, नेतृत्व विकास, उद्यमिता विकास और संबंधित क्षमता निर्माण गतिविधियां शामिल हैं। इससे महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने के साथ-साथ निर्णय लेने और नेतृत्व की भूमिका निभाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण पर सरकार का जोर

सरकार का मानना है कि कौशल और उद्यमिता के साथ नेतृत्व क्षमता का विकास अल्पसंख्यक महिलाओं को अधिक आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पीएम विकास के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों को एकीकृत कर महिलाओं सहित अल्पसंख्यक समुदायों के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक विकास को गति देने का प्रयास किया जा रहा है।

इस पहल के तहत महिलाओं को उपलब्ध अवसरों और योजनाओं से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि वे अपनी क्षमताओं का विकास कर आर्थिक गतिविधियों में अधिक प्रभावी भागीदारी कर सकें।

हर आंसू की बूंद से लग रहा था जैसे गोल्ड मेडल टपक रहा है', मीराबाई चानू से बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में देश के लिए मेडल लेकर लौटे भारतीय खिलाड़ियों से रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आवास पर खास मुलाकात की। पीएम ने कॉमनवेल्थ गेम्स में लगातार तीसरी बार गोल्ड मेडल जीतने वालीं मीराबाई चानू के प्रदर्शन की तारीफ की।दरअसल, मीराबाई चानू गोल्ड मेडल जीतने के बाद भावुक हो गई थीं और पोडियम पर मेडल लेते वक्त अपने आंसू पर काबू नहीं रख सकी थीं। पीएम मोदी ने मीराबाई से उनके रोने का कारण पूछते हुए कहा, इतने आंसू टपक रहे थे कि मुझे लगता है कि हर आंसू के बूंद से गोल्ड मेडल टपक रहा हो। मीराबाई ने प्रधानमंत्री को जवाब देते हुए कहा, मैं उस दिन बहुत खुश और भावुक थी। मैं गोल्ड मेडल जीतने के बाद उस दिन इसलिए रोई थी, क्योंकि पेरिस ओलंपिक में मेरा मेडल सिर्फ एक किलो से रह गया था।भारतीय महिला वेटलिफ्टर ने आगे कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर आपको बहुत चीजों का सामना करना पड़ता है। इन चार वर्षों के अंदर मैंने काफी चीजों का सामना किया था। हर समय इंजरी ही चल रही थी और परिवार में भी समस्याएं हो रही थीं। मैंने इन 4 वर्षों में बहुत चीजों का सामना किया था। इसी कारण जब मैं पोडियम पर खड़ी थी और जब हमारा नेशनल एंथम बजा, तो मैं खुद को रोक नहीं सकी। देश का झंडा

ऊपर देखकर हमारे अपने आप ही आंसू निकल आते हैं।मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स में निरंतरता के साथ लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने यह लगातार तीसरे कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। मीराबाई यह उपलब्धि हासिल करने वाली दुनिया की पहली वेटलिफ्टर बनीं। उन्होंने 48 किलोग्राम वर्ग में कुल 190 किलो का भार उठाकर गोल्ड मेडल जीता। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा और देश की झोली में 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज समेत कुल 39 मेडल आए।

भारत में एशियाई शेरों की बढ़ती संख्या संरक्षण प्रयासों की शानदार सफलता : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली ,,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव के उस लेख को साझा किया, जिसमें भारत में एशियाई शेरों की बढ़ती संख्या और उनके प्राकृतिक पर्यावास के विस्तार का उल्लेख किया गया है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत में एशियाई शेरों की संख्या लगातार बढ़ रही है और उनके पर्यावास का दायरा भी विस्तृत हो रहा है। उन्होंने इसे वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में देश के प्रयासों की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।प्रधानमंत्री ने कहा कि सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता एक प्रेरक उदाहरण है। उन्होंने विश्वास जताया कि सामूहिक प्रयासों से एशियाई शेरों जैसी विशिष्ट प्रजातियों को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखा जा सकेगा। प्रधानमंत्री ने सामाजिक मंच 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, एक शानदार वापसी! भारत में एशियाई शेरों की संख्या बढ़ रही है तथा उनके पर्यावास में विस्तार हो रहा है।

सावन के दूसरे सोमवार पर दिव्य भस्म आरती, सोम प्रदोष पर बाबा महाकाल ने रखा है स्वयं व्रत

उज्जैन (आरएनएस)। श्रावण कृष्ण पक्ष द्वादशी तिथि, (दूसरे सोमवार) को श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल की भस्म आरती की गई। इस अलौकिक दृश्य के साक्षी बनने के लिए मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सोमवार तड़के भगवान वीरभद्र की आज्ञा लेने के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ बाबा महाकाल के कपाट खोले गए। दिव्य शृंगार और भस्म आरती के बाद जैसे ही श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शन हुए, पूरा मंदिर परिसर 'जय श्री महाकाल' के उद्घोष से गूंज उठा। मंदिर परिसर घंटियों, शंखध्वनि और मंत्रोच्चार से गुंजायमान हो उठा।महाकाल मंदिर के पुजारी पंडित आकाश शर्मा ने कहा, आज सावन के पवित्र महीने का दूसरा सोमवार है और सोम प्रदोष भी है, इसलिए यह सभी शिव भक्तों के लिए बहुत शुभ दिन है। उन्होंने बताया कि भोर में 2~30 बजे बाबा के पट खोले गए, जिसके बाद पंचामृत से अभिषेक किया गया। बाबा महाकाल को भांग और मेवों से सजाया गया।पंडित आकाश शर्मा ने बताया कि बाबा महाकाल का दिव्य शृंगार किया गया। सोम प्रदोष होने की वजह से बाबा को फलाहार का भोग लगाया गया, क्योंकि इस दिन बाबा महाकाल स्वयं व्रत रखते हैं। इसके बाद बाबा का दिव्य भस्म आरती की गई। बाबा महाकाल भक्तों की मनोकामना पूर्ण करते हैं।सावन के दूसरे सोमवार के अवसर पर साध्वी हर्षा नंद गिरी ने बाबा महाकाल का दर्शन करने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, आज का दिन अपने आप में बहुत खास और अहम है क्योंकि सावन का दूसरा सोमवार और प्रदोष व्रत एक ही दिन पड़ रहे हैं।

नई दिल्ली में मॉनसून सत्र के दौरान लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने संसद भवन परिसर में बिज़नेस एडवाइज़री कमिटी की बैठक की अध्यक्षता की।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मायापुरी और पीतमपुरा के कांवड़ सेवा शिविरों में पहुंचकर शिवभक्तों का किया अभिनंदन

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने रविवार को मायापुरी स्थित कांवड़ सेवा शिविर और पीतमपुरा स्थित कांवड़ शिविर का दौरा कर शिवभक्तों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने मायापुरी कांवड़ सेवा शिविर में देवतुल्य कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की और उन्हें प्रसाद वितरित कर

उनकी मंगलमय यात्रा की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सावन के पावन महीने में हरिद्वार से गंगाजल लेकर दिल्ली पहुंचने वाले कांवड़ियों के प्रति पूरे समाज में श्रद्धा और सम्मान का भाव है। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूरी दिल्ली बाबा भोले की भक्ति के रंग में रंगी हुई है और जगह-जगह लगाए गए कांवड़ सेवा शिविर श्रद्धालुओं की सेवा में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर शिवभक्तों से संवाद किया और उनकी यात्रा के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने शिविर में श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया और सेवा में जुटे कार्यकर्ताओं के समर्पण की सराहना की। इस अवसर पर विधायक अनिल शर्मा, उमंग बजाज, पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी सहित बड़ी संख्या में शिवभक्त उपस्थित थे। इसके बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पीतमपुरा स्थित कांवड़ शिविर का भी दौरा किया। यहां उन्होंने शिवभक्तों एवं सेवा में जुटे कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और शिविर में उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने किया विरोध प्रदर्शन, अमित शाह से सदन में जवाब देने की मांग

नई दिल्ली,(आरएनएस)। संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष और सरकार के बीच गतिरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। विपक्षी सांसदों ने दिल्ली में 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से संसद में बयान देने की मांग की है। कांग्रेस का कहना है कि जब तक गृह मंत्री इन मुद्दों पर सदन में स्पष्टीकरण नहीं देते, तब तक विपक्ष कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा आगे नहीं बढ़ने देगा। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्हें लगता है कि गतिरोध तब तक बना रहेगा, जब तक केंद्रीय गृह मंत्री संसद में बयान नहीं देते।

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने भी विपक्ष की मांग को स्पष्ट करते हुए कहा कि किसी भी विधेयक, जिसमें एफसीआरए बिल भी शामिल है, पर चर्चा से पहले अमित शाह को संसद में आकर दिल्ली के छात्रों के खिलाफ हुई कार्रवाई पर बयान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह विपक्ष की स्पष्ट मांग है और बयान के बिना सरकार को इन मामलों पर आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा।

एफसीआरए बिल को लेकर भी विपक्ष ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि पार्टी इस विधेयक को एक बड़े समुदाय के खिलाफ उठाए गए कदम के रूप में देखती है। उन्होंने दावा किया कि प्रस्तावित बदलाव समुदाय और देश के हितों के खिलाफ हैं तथा इससे शिक्षा और राष्ट्रीय प्रगति में योगदान देने वाले महत्वपूर्ण संसाधनों पर असर पड़ सकता है।

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने विश्व आदिवासी दिवस के संदर्भ में भी गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि आदिवासी समुदाय को 'वनवासी' कहकर उसकी पहचान, संघर्ष, ऐतिहासिक विरासत और विशिष्टता को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। भगत ने कहा कि वे इस मुद्दे पर सांकेतिक विरोध दर्ज करा रहे हैं और अमित शाह के सदन में आने पर आदिवासी पहचान से जुड़े सवाल को उठाएंगे।

एफसीआरए विधेयक पर उन्होंने प्रशासनिक खर्चों की सीमा को 50 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत किए जाने के प्रस्ताव पर भी चिंता जताई। उनका कहना था कि इसका अनुच्छेद 19 के तहत मिले अधिकारों पर असर पड़ सकता है। उन्होंने सरकार पर कई विधेयक बदले की भावना से लाने का आरोप भी लगाया।

इस बीच झारखंड के छात्रों के प्रस्तावित विरोध-प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस नेताओं ने शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील की। पार्टी नेताओं ने उम्मीद जताई कि छात्र शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करेंगे और प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि कोई असामाजिक तत्व आंदोलन का फायदा न उठा सके। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार ने अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली मांगों को स्वीकार करने के संकेत दिए हैं और बाकी मुद्दों पर सरकार तथा छात्रों के बीच समय रहते सहमति बनने की उम्मीद है।वहीं, समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने परिसीमन के मुद्दे पर कहा कि विपक्ष ने परिसीमन लाने का प्रस्ताव नहीं दिया है और उन्हें इन मुद्दों पर चर्चा की जरूरत नहीं लगती।

निर्यात दायित्व मुक्ति प्रमाणपत्र के लिए भौतिक चालान की अनिवार्यता खत्म

अग्रिम प्राधिकरण और निर्यात संवर्धन पूंजीगत वस्तु योजनाओं में निर्यातकों को राहत, 1 अगस्त से स्वैच्छिक सीमा शुल्क भुगतान का डिजिटल सत्यापन

नई दिल्ली,(आरएनएस)। निर्यातकों के लिए व्यापार सुगमता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अग्रिम प्राधिकरण और निर्यात संवर्धन पूंजीगत वस्तु (ईपीसीजी) योजनाओं के तहत निर्यात दायित्व मुक्ति प्रमाणपत्र (ईओडीसी) के लिए आवेदन करते समय भौतिक शुल्क भुगतान चालान जमा करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है।

यह व्यवस्था 1 अगस्त 2026 या उसके बाद किए गए स्वैच्छिक सीमा शुल्क भुगतानों पर लागू होगी। अब निर्यातकों को संबंधित प्राधिकरण को बंद करने के आवेदन के साथ भुगतान का भौतिक चालान जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी।

डीजीएफटी और आईसगेट के बीच डिजिटल एकीकरण

इस सुविधा को विदेश व्यापार महानिदेशालय और आईसगेट के बीच एपीआई आधारित डेटा आदान-प्रदान के माध्यम से लागू किया गया है। इसके तहत सीमा शुल्क से संबंधित प्रमाणित भुगतान विवरण इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से डीजीएफटी की ईओडीसी प्रसंस्करण प्रणाली तक पहुंचेंगे।

सीमा शुल्क और आईसगेट से प्राप्त लाइसेंस-वार स्वैच्छिक शुल्क भुगतान आंकड़ों को डीजीएफटी की ऑनलाइन प्रणाली से जोड़ दिया गया है। इससे संबंधित प्राधिकरण के विरुद्ध किए गए भुगतान का डिजिटल माध्यम से प्रमाणीकरण और सत्यापन संभव हो सकेगा।

निर्यातक डीजीएफटी ग्राहक पोर्टल पर उपलब्ध प्रमाणित भुगतान विवरण को आवेदन दाखिल करने से पहले देख सकेंगे और यह सुनिश्चित कर सकेंगे कि भुगतान संबंधित प्राधिकरण से सही तरीके से जुड़ा हुआ है।

क्षेत्रीय अधिकारियों को भी मिलेगा प्रमाणित डिजिटल रिकॉर्ड

भुगतान का प्रमाणित रिकॉर्ड डीजीएफटी के बैक ऑफिस में क्षेत्रीय अधिकारियों के लिए उपलब्ध रहेगा। इससे भुगतान विवरण के मैन्युअल सत्यापन की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। सरकार के अनुसार, इस व्यवस्था से प्रसंस्करण समय में कमी, अनावश्यक पत्राचार में कटौती और निर्णय प्रक्रिया में अधिक एक रूपता आने की उम्मीद है। साथ ही, डिजिटल रिकॉर्ड के इस्तेमाल से आंकड़ों की सटीकता बढ़ेगी और मानवीय हस्तक्षेप कम होगा।

एशियाई शेरों की संख्या 10 वर्षों में 523 से बढ़कर 891 हुई : भूपेंद्र यादव

नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने विश्व शेर दिवस 2026 के अवसर पर भारत में एशियाई शेरों के संरक्षण में मिली सफलता की सराहना करते हुए वन्यजीव और जैव-विविधता संरक्षण के प्रति देश की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि एशियाई शेरों की संख्या वर्ष 2015 में 523 से बढ़कर 2025 में 891 हो गई है। यह वृद्धि वन अधिकारियों, संरक्षणवादियों, स्थानीय समुदायों और इस शानदार प्रजाति की रक्षा के लिए लगातार काम कर रहे सभी लोगों के समर्पण को दर्शाती है। भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए संदेश में कहा कि एशियाई शेरों के संरक्षण में भारत की सफलता वन्यजीवों और जैव-विविधता की सुरक्षा के प्रति देश की गहरी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने भारत की प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण का संकल्प दोहराते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एशियाई शेरों की दहाड़ आने वाली पीढ़ियों तक गूंजती रहे। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने भी विश्व शेर दिवस के अवसर पर शेर संरक्षण के प्रयासों को रेखांकित किया।

द्विपक्षीय समुद्री साझेदारी को मजबूत करने मॉरीशस पहुंचे नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन

नई दिल्ली, (आरएनएस)। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन 10 से 13 अगस्त 2026 तक मॉरीशस की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। यह यात्रा हिंद महासागर क्षेत्र में महत्वपूर्ण साझेदार मॉरीशस के साथ भारत के द्विपक्षीय समुद्री सहयोग और रक्षा संबंधों को और मजबूत करने के भारत के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। यात्रा के दौरान नौसेना प्रमुख मॉरीशस के शीर्ष नेतृत्व के साथ विभिन्न मुद्दों पर व्यापक बातचीत करेंगे। दोनों पक्षों के बीच समुद्री सुरक्षा, रक्षा सहयोग, क्षमता निर्माण और सैन्य सहयोग सहित साझा हितों से जुड़े विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। इन वार्ताओं का उद्देश्य दोनों देशों के बीच समुद्री क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करना, परिचालन स्तर पर संबंधों को बढ़ावा देना तथा भारत-मॉरीशस की रणनीतिक साझेदारी को नई मजबूती प्रदान करना है।

लंबे समय से मजबूत समुद्री साझेदारी

भारत और मॉरीशस के बीच लंबे समय से मजबूत और बहुआयामी समुद्री साझेदारी रही है। भारतीय नौसेना मॉरीशस के राष्ट्रीय तटरक्षक बल के साथ नियमित रूप से विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग करती है। इसमें प्रशिक्षण एवं आदान-प्रदान कार्यक्रम, संयुक्त विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) निगरानी, परिचालन सहयोग, बंदरगाह यात्राएं और जल सर्वेक्षण जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

दोनों देश बहुपक्षीय मंचों और विभिन्न सहयोगात्मक पहलों में भी सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। मॉरीशस भारतीय नौसेना की प्रमुख पहलों और आयोजनों में नियमित भागीदारी करता रहा है।

इनमें हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी-मिलन, अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा, गोवा समुद्री सम्मेलन, आईओएस सागर और ऐकेईएमई अभ्यास प्रमुख हैं। दोनों देशों की यह सक्रिय भागीदारी हिंद महासागर क्षेत्र में सामूहिक सुरक्षा, सहयोग और क्षमता निर्माण के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

'महासागर' दृष्टिकोण को मिल रहा बल

भारत की समुद्री साझेदारी की यह पहल उसके 'महासागर' दृष्टिकोण के अनुरूप है।

यूक्रेन ने रूस के तातारस्तान में किया बड़ा ड्रोन हमला; 12 की मौत, 39 घायल

मॉस्को (आरएनएस)। रूस के तातारस्तान प्रांत के निजनीकैमस्क शहर में सोमवार को यूक्रेन ने एक बड़ा और घातक ड्रोन हमला किया है। शहर के मेयर राडमिर बेल्यायेव के अनुसार, इस हमले में औद्योगिक और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिसमें कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 39 अन्य घायल हुए हैं। इसके बाद निजनीकैमस्क प्रशासन ने आवश्यक कदम उठाते हुए घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेनी ड्रोनों ने सीधे तौर पर तातनेफ्ट की तानेको तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया, जो रूस की सबसे आधुनिक और तकनीकी रूप से उन्नत तेल रिफाइनरियों में से एक है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कुछ अपुष्ट वीडियो में रिफाइनरी परिसर से धुएं का भारी गुबार उठता हुआ देखा जा सकता है।

यह रिफाइनरी रूसी अर्थव्यवस्था और ईंधन आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस पर हमले से रूस को बड़ा झटका लगा है।साल 2024 में इस रिफाइनरी ने 1.7 करोड़ टन कच्चे तेल को साफ किया था। यहां से सालाना 27 लाख टन पेट्रोल और 85 लाख टन डीजल का उत्पादन होता है।इससे पहले इसी साल जून की शुरुआत में भी यूक्रेन ने इसी तानेको रिफाइनरी को निशाना बनाने की कोशिश की थी।इस हमले और जान-माल के भारी नुकसान के बाद तातारस्तान के प्रमुख रुस्तम मिन्निखानोव ने पूरे प्रांत में राजकीय शोक की घोषणा की है।पिछले कुछ महीनों में यूक्रेन ने रूसी सीमा के काफी अंदर घुसकर तेल रिफाइनरियों और ऊर्जा केंद्रों पर अपने हवाई और ड्रोन हमलों को काफी तेज कर दिया है।यूक्रेन का उद्देश्य रूस के आर्थिक तंत्र को चोट पहुंचाना और उनकी सैन्य रसद को कमजोर करना है।यूक्रेन के इस अभियान के कारण हाल के दिनों में रूस के कई हिस्सों में अस्थायी रूप से ईंधन की भारी किल्लत देखी गई थी।हालांकि, रूसी अधिकारियों ने इससे इनकार किया है।

चीन ने अरुणाचल प्रदेश में स्थानों के नाम बदलने को लेकर की भारत की आलोचना

बीजिंग,(आरएनएस)। भारत सरकार द्वारा अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों के आधिकारिक नामकरण किए जाने पर चीन ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।रिपोर्ट में भारत के इस कदम को आत्मधोखा करार दिया गया है। चीन का दावा है कि भारत का यह एकतरफा फैसला दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को सुलझाने और द्विपक्षीय राजनीतिक संबंधों को सुधारने के प्रयासों को जटिल बना सकता है।भारत ने अरुणाचल प्रदेश के रणनीतिक और ऐतिहासिक महत्व वाले 27 स्थानों के नाम अपने आधिकारिक मानचित्र पर मानकीकृत किए हैं। इस सूची में भूमि क्षेत्र, दर्रे, एक झील और एक ऐतिहासिक स्मारक शामिल हैं। इनमें ऊपरी सुबनसिरी में स्थित लॉग जु और माजा गांव, थाग ला और दजो ला दर्रे, म्यांमार सीमा के पास जयरामपुर लॉजिस्टिक्स हब और 1962 के युद्ध नायक शहीद जसवंत सिंह रावत की याद में बना रामनगर जसवंत गढ़ स्मारक प्रमुख हैं।चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि चीन, अरुणाचल प्रदेश को भारत के हिस्से के रूप में मान्यता नहीं देता है। वर्तमान में भारत-चीन संबंध आम तौर पर स्थिर हैं और वे उम्मीद करते हैं कि दोनों पक्ष ऐसे कदम उठाएंगे जो द्विपक्षीय संबंधों के अनुकूल हों।शंघाई इंटरनेशनल स्टडीज के प्रोफेसर गुओ जुएतांग के मुताबिक, भारत का यह कदम क्षेत्र पर अपना नियंत्रण मजबूत करने का प्रयास है, लेकिन इससे सीमा वार्ता प्रभावित होगी।रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन लंबे समय से अरुणाचल में भौगोलिक नामों का मानकीकरण कर रहा है।सिंघुआ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय रणनीति संस्थान के अनुसंधान विभाग के निदेशक कियान फेंग ने कहा है कि भारत की एकतरफा कार्रवाई दोनों देशों के बीच राजनीतिक संबंधों में सुधार को बाधित कर सकती है। बता दें, चीन के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने 2017 से अरुणाचल के गांवों और पहाड़ी दर्रों सहित 112 नामों को मानकीकृत किया है।

अमेरिका ने ईरान के खिलाफ नाकाबंदी मजबूत की, होर्मुज के आसपास 20 से अधिक युद्धपोत तैनात

वॉशिंगटन/तेहरान,(आरएनएस)। ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने के लिए नई शर्तें रखे जाने के बीच अमेरिका ने क्षेत्र में अपनी सैन्य मौजूदगी और नाकाबंदी को और मजबूत कर दिया है। अमेरिकी केंद्रीय कमान ने सोमवार को बताया कि मध्य पूर्व में 20 से अधिक अमेरिकी युद्धपोत तैनात किए गए हैं। इनमें अमेरिकी नौसेना का विध्वंसक पोत यूएसएस रॉस भी शामिल है।

अमेरिकी केंद्रीय कमान ने सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया कि यूएसएस रॉस पर तैनात अमेरिकी नौसैनिक क्षेत्र में चल रहे सैन्य अभियानों का हिस्सा हैं। कमान के अनुसार, यूएसएस रॉस उन 20 से अधिक अमेरिकी युद्धपोतों में शामिल है, जिन्हें मध्य पूर्व में विभिन्न सैन्य अभियानों के लिए तैनात किया गया है।अमेरिकी केंद्रीय कमान के मुताबिक, अमेरिका ईरान के खिलाफ लागू नाकाबंदी को सख्ती से लागू कर रहा है। 9 अगस्त तक अमेरिकी कार्रवाई के दौरान 55 वाणिज्यिक जहाजों का मार्ग बदला गया, जबकि दो जहाजों को नष्ट किया गया और दो जहाजों पर चढ़कर कार्रवाई की गई। अमेरिका की यह सैन्य कार्रवाई ऐसे समय में तेज हुई है, जब ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए कई नई शर्तें सामने रखी हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के प्रमुख तेल परिवहन मार्गों में से एक है और यहां किसी भी तरह की बाधा का अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा आपूर्ति पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है।

ट्रंप की गाजा शांति योजना पर घमासान, नेतन्याहू ने ठुकराया प्रस्ताव, क्लिंटन ने किया समर्थन

वाशिंगटन,(आरएनएस)।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन के एक पुराने लेख के अंश ट्रुथ सोशल पर साझा किए, जिसमें उन्होंने ट्रम्प की गाजा नीति का बचाव किया था। क्लिंटन ने इस बात पर जोर दिया था कि भले ही अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को ट्रम्प का दृष्टिकोण पूरी तरह पसंद न आए, लेकिन संकट से निपटने के लिए कोई अन्य वैकल्पिक ढांचा या प्रतिस्पर्धी प्रस्ताव तैयार नहीं है। इस योजना की शुरुआत सितम्बर 2025 में 20 सूत्रीय प्रारूप के रूप में हुई थी, जिसे बाद में जुलाई में 15 सूत्रीय योजना के रूप में पेश किया गया.डोनाल्ड ट्रम्प के अनुसार, यह समझौता शांति और सुरक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है,

जिसे सुनियोजित चरणों में लागू किया जाना है. इस योजना का मुख्य उद्देश्य गाजा में सक्रिय हमास और अन्य सशस्त्र गुटों का पूर्ण निरस्त्रीकरण करना है. इसके साथ ही, इजरायली सेना की चरणबद्ध वापसी होगी और क्षेत्र की सुरक्षा का जिम्मा एक नए फिलिस्तीनी पुलिस बल के साथ मिलकर अंतर्राष्ट्रीय स्थिरीकरण बल संभालेगा. भविष्य में गाजा का प्रशासन एक नई फिलिस्तीनी सरकार द्वारा चलाया जाएगा, जो शांति बोर्ड के सहयोग से कार्य करेगी.

अमेरिकी प्रयासों के बावजूद, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ट्रम्प के 15 सूत्रीय गाजा शांति प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज कर दिया है. घरेलू राजनीतिक दबाव और धुर दक्षिणपंथी गठबंधन सहयोगियों की मांगों के बीच नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि जब तक हमास का पूरी तरह से निरस्त्रीकरण नहीं हो जाता और इजरायल के खिलाफ सभी खतरे समाप्त नहीं हो जाते, तब तक इजरायली सेना गाजा से पीछे नहीं हटेगी. हालांकि, इजरायल इस मुद्दे पर वाशिंगटन के साथ बातचीत जारी रखे हुए है और केवल उन्हीं विचारों को स्वीकार करने के पक्ष में है जो उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के अनुकूल हैं.ट्रम्प के 15 सूत्रीय ढांचे का अंतिम लक्ष्य गाजा संघर्ष को समाप्त कर क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति स्थापित करना है. इसके तहत सभी भारी हथियार, सुरंगें और सैन्य ठिकाने गाजा प्रशासन के लिए राष्ट्रीय समिति नामक एक फिलिस्तीनी तकनीकी निकाय के नियंत्रण में दिए जाने का प्रस्ताव है. अंतर्राष्ट्रीय बल की तैनाती से इजरायली सैनिकों और फिलिस्तीनी-प्रशासित क्षेत्रों के बीच दूरी बनाई जाएगी, जिससे आगे चलकर गाजा के पुनर्निर्माण और फिलिस्तीनी आत्मनिर्णय की दिशा में एक राजनीतिक प्रक्रिया शुरू हो सके.

ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को खोल दे तो ट्रंप छोड़ सकते हैं परमाणु समझौते की शर्त

वाशिंगटन (आरएनएस)। ईरान के साथ युद्ध के बीच अमेरिका से एक बड़ी चौंकाने वाली खबर आई है। सूत्रों ने दावा किया है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर बिना किसी समझौते के पश्चिम एशिया संघर्ष को समाप्त करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, ट्रंप

की शर्त है कि ईरान को वाणिज्यिक जहाजों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से पूरी तरह खोलना होगा। अभी व्हाइट हाउस और तेहरान से इस दावे की पुष्टि नहीं हुई है।

ईरान ने शनिवार को होर्मुज खोलने के लिए अमेरिका से अरबों डॉलर के भुगतान, सैनिकों की वापसी और नाकाबंदी समाप्ति की मांग रखी है।

इन मांगों ने ट्रंप के संघर्ष से बाहर निकलने के प्रयासों को जटिल बना दिया है, क्योंकि अमेरिका जलमार्ग से निर्बाध यातायात की बहाली चाहता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप पहले भी अपने वरिष्ठ सहयोगियों के साथ निजी तौर पर परमाणु कार्यक्रम पर बिना समझौते के युद्ध समाप्ति के विचार को साझा कर चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, तेहरान की नवीनतम मांगों से संकेत मिलता है कि संघर्ष से पीछे हटने के ट्रंप के विकल्प सीमित हो गए हैं।

दरअसल, ईरान हमलों से होर्मुज को पूरी तरह अवरुद्ध करने में सक्षम है और वाणिज्यिक जहाजों को रोकने से वैश्विक बाजारों पर असर पड़ रहा है, इसलिए इस क्षेत्र में ईरान की मजबूती दिख रही है।

फीचर

छपरा से बॉलीवुड तक का सफर! पब्लिक का हीरो में मुख्य भूमिका में दिखेंगी ऋषिका सिंह चंदेल

बिहार के छपरा की बेटी और टेलीविजन अभिनेत्री ऋषिका सिंह चंदेल अब बड़े पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं. टीवी की दुनिया में 'दामिनी' के किरदार से पहचान बनाने वाली ऋषिका अब हिंदी फिल्म 'पब्लिक का हीरो' में लीड एक्ट्रेस की भूमिका में नजर आएंगी. फिल्म बनकर तैयार है जिसके बाद बीते 7 अगस्त को इसका पोस्टर और टीजर लॉन्च किया गया. इसके बाद फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है.

दहियावां, पंकज सिनेमा के समीप रहने वाली ऋषिका सिंह चंदेल ने छपरा से अपने सफर की शुरुआत की और अभिनय के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई. उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा छपरा के एसडीएस पब्लिक स्कूल से पूरी की. इसके बाद उन्होंने जगदम कॉलेज, छपरा से उच्च शिक्षा हासिल की. ऋषिका ने नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी, पटना से बैचलर ऑफ एजुकेशन की डिग्री भी प्राप्त की है. इसके अलावा उन्होंने जर्नलिज्म एवं मास कम्यूनिकेशन में मास्टर डिग्री की पढ़ाई भी पूरी की है.

ऋषिका सिंह चंदेल ने टेलीविजन के कई कार्यक्रमों में

काम किया है. दूरदर्शन के चर्चित शो 'नई सोच' में उन्होंने 'दामिनी' का किरदार निभाया, जिससे उन्हें दर्शकों के बीच पहचान मिली. इसके बाद 'लव पंती' में उन्होंने 'सरिता' की नकारात्मक भूमिका निभाकर अपने अभिनय का अलग पक्ष दिखाया. अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर ऋषिका ने अपनी अभिनय क्षमता को साबित किया.

अभिनय के साथ ऋषिका विज्ञापन की दुनिया में भी काम कर चुकी हैं. वह बैंक ऑफ बड़ौदा और टाटा कैपिटल के विज्ञापनों में नजर आ चुकी हैं. टेलीविजन और विज्ञापन के बाद अब उन्होंने हिंदी सिनेमा की ओर कदम बढ़ाया है. फिल्म 'पब्लिक का हीरो' में ऋषिका के साथ मिमोह चक्रवर्ती, विशाल त्रिपाठी और अभिनेता शक्ति कपूर सहित कई कलाकार नजर आएंगे.

फिल्म का निर्माण शारदा त्रिपाठी ने किया है. फिल्म का पोस्टर और टीजर 7 अगस्त को जारी किया गया है. हालांकि, फिल्म की रिलीज को लेकर दर्शकों को अभी इंतजार करना होगा.हालांकि फिल्म बनकर लगभग तैयार है. सिर्फ पोस्ट-प्रोडक्शन से जुड़े कुछ काम बाकी है.

छपरा से निकलकर मुंबई के मनोरंजन जगत तक पहुंची ऋषिका का सफर स्थानीय युवाओं के लिए प्रेरणा देने वाला है. टीवी की 'दामिनी' के बाद अब बड़े पर्दे पर लीड एक्ट्रेस के रूप में उनकी नई पारी शुरू होने जा रही है. 'पब्लिक का हीरो' ऋषिका के अभिनय करियर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है.

मुसाफिर कैफे के ऑडिशन में रिजेक्ट हुई थीं वेदिका पिंटो, फिर ऐसे मिला सुधा का रोल

हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है. सीरीज में कहानी से लेकर स्टारकास्ट की परफॉर्मेंस तक की जमकर तारीफ हो रही है. खासकर वेदिका पिंटो ने अपने किरदार से दर्शकों का ध्यान खींचा है और उनकी एक्टिंग को काफी पसंद किया जा रहा है. लेकिन हाल ही में वेदिका ने बताया कि मेकर्स को उनका ऑडिशन पसंद नहीं था. आइए जानते हैं बाद में उन्हें सुधा का किरदार कैसे मिला.वेदिका पिंटो ने खुलासा किया कि मेकर्स को उनका ऑडिशन पसंद नहीं आया था. वेदिका पिंटो ने बातचीत में कहा, मेरा पहला ऑडिशन मेकर्स को पसंद नहीं आया था.एक्ट्रेस ने कहा, मेरे कास्टिंग डायरेक्टर करण मेक्षी, जो मेरे दोस्त भी हैं, उन्होंने मुझे फोन करके बताया कि वेदिका, उन्हें तुम्हारा ऑडिशन पसंद नहीं आया, लेकिन उसमें उन्हें सुधा की एक झलक जरूर दिखाई दी. इसलिए वे तुम्हारा एक और टेस्ट लेना चाहते हैं. फिर मुझे कास्ट किया गया. बता दें, वेदिका पिंटो सोशल मीडिया पर इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रही हैं. दर्शकों ने उनकी एक्टिंग को खूब सराहा. वेदिका पिंटो ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग और म्यूजिक वीडियो से की. साल 2019 में आए ऋत्विज के सुपरहिट गाने लिग्गी ने उन्हें खास पहचान दिलाई.

बालों के झड़ने की समस्या से राहत दिलाने में सहायक है प्रायरिन, जानिए इससे जुड़े भ्रम

बालों का झड़ना एक आम समस्या है, जो पुरुषों और महिलाओं, दोनों को प्रभावित करती है। इस समस्या के समाधान के लिए बाजार में कई उत्पाद उपलब्ध हैं, जिनमें से एक है प्रायरिन। यह एक विटामिन और खनिज पूरक है, जिसे बालों की सेहत सुधारने के लिए बनाया गया है। आइए आज हम आपको प्रायरिन से जुड़ी कई भ्रांतियों के बारे में विस्तार से बताते हैं, ताकि आप इस पूरक का सही उपयोग कर सकें।

क्या सच में बालों को तेजी से बढ़ाता है प्रायरिन?

प्रायरिन के बारे में सबसे बड़ी भ्रांति यह है कि यह तुरंत बालों की लंबाई बढ़ाता है। सच यह है कि किसी भी पूरक के परिणाम तुरंत नहीं दिखाई दे सकते हैं।प्रायरिन में मौजूद विटामिन और खनिज बालों की जड़ों को मजबूत करते हैं और उन्हें स्वस्थ रखते हैं, लेकिन इसका असर धीरे-धीरे दिखाई देता है।नियमित उपयोग से ही आपको इसके फायदे मिलेंगे और विशेषज्ञ की सलाह से ही सही इस्तेमाल किया जा सकेगा। पुरुषों और महिलाओं के लिए समान रूप से फायदेमंद है प्रायरिन?

कुछ लोग मानते हैं कि प्रायरिन केवल पुरुषों के लिए ही फायदेमंद होता है, जबकि महिलाओं के लिए इसका कोई असर नहीं होता।

यह पूरी तरह से गलत धारणा है। प्रायरिन दोनों के लिए समान रूप से फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद विटामिन और खनिज महिलाओं के बालों की भी सेहत सुधार सकते हैं।

इसलिए, इसे लेने से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है, ताकि सही और जरूरी जानकारी मिल सके।

क्या प्रायरिन खाने से रोक सकते हैं बालों का झड़ना?

प्रायरिन खाने से बालों का झड़ना रोकने में मदद मिलती है, लेकिन यह अकेले ही पूरी समस्या का समाधान नहीं कर सकता।

इसके साथ-साथ सही खान-पान, नियमित व्यायाम और उचित देखभाल भी जरूरी होती है। प्रायरिन में बायोटिन, जिंक और विटामिन जैसे तत्व होते हैं, जो बालों की सेहत के लिए अहम होते हैं।

हालांकि, इन्हें अन्य उपायों के साथ मिलाकर ही प्रभावी बनाया जा सकता है। इसलिए, इसे एक संतुलित आहार और जीवनशैली के साथ लेना चाहिए।

प्रायरिन का सेवन बिना डॉक्टर की सलाह के करना है सुरक्षित?

किसी भी पूरक का सेवन बिना डॉक्टर की सलाह के करना सुरक्षित नहीं माना जाता। प्रायरिन भी एक ऐसा ही उत्पाद है, जिसे लेने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी होता है।

डॉक्टर आपकी स्थिति और जरूरतों के अनुसार ही इसे लेने की सलाह देंगे।

इस तरह की सावधानी बरतना हमेशा बेहतर होता है, ताकि आपको किसी तरह की समस्या न हो और आप इसका सही तरीके से उपयोग कर सकें।

लाल लिपस्टिक का इतिहास जानकर हैरान रह जाएंगी आप, जानिए मेकअप में इसकी जगह

आजकल कई महिलाएं लाल लिपस्टिक का इस्तेमाल करती हैं। यह न केवल उन्हें आत्मविश्वास देती है, बल्कि उनके लुक में भी चार चांद लगा देती है। हालांकि, क्या आप जानती हैं कि लाल लिपस्टिक का इतिहास कितना पुराना और दिलचस्प है? प्राचीन मिस्र से लेकर आज के फैशन तक, लाल लिपस्टिक ने कई बदलाव देखे हैं। आइए जानते हैं कि लाल लिपस्टिक के पीछे की कहानी क्या है और यह कैसे एक फैशन आइकन बन गई।

प्राचीन मिस्र में था लाल लिपस्टिक का प्रचलन

प्राचीन मिस्र में लाल लिपस्टिक का उपयोग आम था। क्लियोपेट्रा जैसी राजकुमारियों ने इसे अपने चेहरे को सजाने के लिए इस्तेमाल किया था।

इस लाल रंग को बनाने के लिए वे कीटाणु, कीड़े और पौधों के हिस्सों का उपयोग करती थीं। यह रंग न केवल उनके चेहरे को सुंदर बनाता था, बल्कि इसे धूप और अन्य मौसम की मार से भी बचाए रखने में मदद करता था।

यह लाल रंग उनके सामाजिक स्थान को भी दर्शाता था।

मध्यकालीन यूरोप में था लाल लिपस्टिक का विरोध

मध्यकालीन यूरोप में लाल लिपस्टिक का उपयोग महिलाओं के लिए मुश्किल भरा था। धार्मिक नेताओं ने इसे शैतानी जादू मानकर इसका विरोध किया और इसे पहनने वालों को सजा देने तक की धमकी दी।

इसके बावजूद कई महिलाएं इसे अपना आकर्षण बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करती थीं।

इस समय लाल लिपस्टिक को सामाजिक स्थिति और आकर्षण का प्रतीक माना जाता था, जिससे इसे पहनने वाली महिलाओं को सम्मान मिलता था।

विक्टोरियन युग में हुआ बदलाव

विक्टोरियन युग में लाल लिपस्टिक का उपयोग अधिक प्रचलित हो गया था, लेकिन इसे सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया जाता था।

महिलाएं इसे छिपकर लगाती थीं, ताकि समाज की नजर न पड़े। इस समय तक लाल लिपस्टिक बनाने के लिए प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग किया जाता था, जैसे कि गुलाब की पंखुड़ियां और मोम।

विक्टोरियन महिलाओं ने इसे आकर्षण बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया, भले ही उन्हें इसके लिए सामाजिक आलोचना का सामना करना पड़ा हो।

20वीं सदी में बढ़ी लाल लिपस्टिक की प्रसिद्धि

20वीं सदी में लाल लिपस्टिक ने आधुनिक रूप धारण किया, जब अमेरिकी व्यवसायी एलिजाबेथ आर्डेन ने इसे बाजार में पेश किया।

उन्होंने इसे छोटे ट्यूब में पैक किया, ताकि महिलाएं आसानी से इस्तेमाल कर सकें। इसके बाद कई ब्रांड ने भी इस उत्पाद को अपने संग्रह में शामिल किया। इस दौरान लाल लिपस्टिक ने महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ावा देने और उन्हें स्वतंत्रता का अहसास कराने में अहम भूमिका निभाई।

आजकल लाल लिपस्टिक का उपयोग कैसे किया जाता है?

आजकल लाल लिपस्टिक कई प्रकारों में उपलब्ध है, जिसमें मैट, क्रीमी और ग्लॉसी फिनिश शामिल हैं। ये न केवल लंबे समय तक टिकती हैं, बल्कि त्वचा को पोषण देने वाले तत्व भी प्रदान करती हैं।

अब लाल लिपस्टिक केवल सौंदर्य उत्पाद नहीं, बल्कि एक फैशन स्टेटमेंट बन चुकी है, जो हर महिला की मेकअप किट का अहम हिस्सा है। इस प्रकार हम देख सकते हैं कि लाल लिपस्टिक का सफर कितना रोमांचक और प्रेरणादायक रहा है।

सावन के दूसरे सोमवार को उमड़े भक्त,भोले की हुई भस्म आरती

हर-हर महादेव की गूंज से सरोबोर हो रही नर्मदा नगरी

नर्मदापुरम (निप्र)। श्रावण माह के दूसरे सोमवार को नर्मदा तट के शिवालयों सहित अन्य सभी शिव मंदिरों व अन्य अनेक स्थानों पर महारुद्राभिषेक के आयोजन हुए। शहर के शताधिक शिवालयों में पूजन अर्चन और अभिषेक के बाद भजन कीर्तन व अन्य अनेक धार्मिक कार्यक्रम हुए। सभी शिव मंदिरों में भीड़ उमड़ती रही। विंध्याचल शेड में शिवार्चन समिति के द्वारा पूजन अर्चन के बाद देवाधिदेव महादेव का श्रृंगार किया गया उसके बाद भस्मारती की गई। शहर के प्रसिद्ध शिवालयों में समारोह पूर्वक अभिषेक किए जा रहे हैं। काले महादेव मंदिर में भी विशेष श्रृंगार किया जा रहा है। विंध्याचल शेड में पं सोमेश परसाई के आचार्यत्व में शहर के सैंकड़ों शिवभक्तों के बीच पूजन अर्चन और अभिषेक का क्रम जारी है। यहां पर बड़ी संख्या में प्रतिदिन सुबह 6 बजे से 8 बजे तक महारुद्राभिषेक के आयोजन किए गए। सोमवार को भस्मारती की जाती है। इसी प्रकार नर्मदा मंदि रके पास नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में 11 पंडितों के द्वारा सामूहिक महरूद्राभिषेक किया जा रहा है। वहीं बीते 24 वर्ष की तरह डीईओ कार्यालय के पास वाले शिव मंदिर में भी हर दिन महारूद्राभिषेक के आयोजन किए जाते हैं। कई घरों में सोमवार को मिट्टी के शिवलिंग बनाकर अभिषेक किए जा रहे हैं।

अन्य मंदिरों में हुए आयोजन

शहर के माधव आश्रम, नर्मदेश्वर महादेव मंदिर,पंचमुखी शिव मंदिर, इच्छा पूर्ति महादेव मंदिर, शिवम शिवालय, नागेश्वर महादेव मंदिर, सहित अन्य अनेक मंदिरों में सुबह से शाम तक शिव भक्ति के आयोजन जारी रहे। विवेकानंद घाट पर शिव मंदिर में महिलाओं के समूहों के द्वारा भजन कीर्तन किए जा रहे है। कोठीबाजार के शिव मंदिर में महिलाओं के द्वारा भजन किए जा रहे हैं।

खूब निकली कावड़ यात्रा

श्रावण सोमवार के अवसर पर मां नर्मदा के तट से अनेक श्रद्धालुओं ने अलग अलग घाटों से कावड यात्रा निकाली भजन कीर्तन करते हुए नृत्य करते हुए श्रद्धालु शिव मंदिरों की ओर जा रहे थे।

जनविश्वास अभियान में लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्त, लंबित शिकायतों पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध होगी सख्त कार्यवाही : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

हर घर तिरंगा अभियान के तहत देशभक्ति से ओतप्रोत गतिविधियों का हो संचालन

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सोमवार को आयोजित समय-अवधि पत्रों की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित होने वाले शिविरों के लिए चिन्हित शिकायतों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कई शिकायतें अभी भी लंबित पाए जाने पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों के प्रति सख्त नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर श्री मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत चिन्हित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिन अधिकारियों द्वारा शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण नहीं किया गया है, उनके विरुद्ध कार्रवाई का प्रस्ताव तैयार किया जाए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर निर्देश दिए कि जिले में शुक्रवार को आयोजित होने वाले अगले शिविर के लिए चिन्हित शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया जाए उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए की शिकायतों के निराकरण में कोताही बरतने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। कलेक्टर ने निर्देश दिए की सभी अधिकारी केसला शिविर के पूर्व ही शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि शिविर के पूर्व पीएम किसान सम्मान निधि, आधार कार्ड से संबंधित समस्याएं, आयुष्मान कार्ड, एग्री स्टेक पोर्टल की समस्याओं का निराकरण किया जाए उन्होंने निर्देशित किया कि एसडीएम व्यक्तिगत रूप से उक्त संबंधित विषयों की मॉनिटरिंग करें।स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि 13 अगस्त तक समारोह की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं।

उन्होंने कहा कि आयोजन से जुड़े सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों का समय-सीमा में निर्वहन सुनिश्चित करें।

विविधि समाचार

चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को सहायक ग्रेड-3 के पद पर पदोन्नति हेतु सीपीसीटी परीक्षा की अनिवार्यता में शिथिलता की मांग

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के विभागों में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को सहायक ग्रेड.3 के पद पर पदोन्नति हेतु सी पी सी टी परीक्षा की अनिवार्यता में शिथिला प्रदान करने के संबंध में जिले के समस्त विभागों में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों ने समूहिक रूप से प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग के नाम से जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन सौंपे जाने के समय अभिमन्यु राजपूत लघुवेतन कार्मचारी संघ अध्यक्ष केएन त्रिपाठी प्रांतीय उपाध्यक्ष लिपिक संघ अरविन्द तिवारी जिला अध्यक्ष लिपिक संघ एचके वर्मा प्रांतीय सचिव मनीष कुशवाह दीपक चन्दौल पीसी चौरे शेख जमील अशोक वर्मा हेमन्त बडोने मृत्युन्जय सरला विनय यादव नागेन्द्र नागा अमित जयसवाल अमित सागोरिया अभिषेक तौमर अभिषेक कहार कैलाश डेहरिया दिलीप साहू योगेन्द्र वामालिया मुरारी एवं अन्य लोक सेवक उपस्थित रहें।

भीलाखेड़ी से प्रारंभ तिलक सिंदूर तक कावड़ यात्रा का स्वागत

धुरपन में कांग्रेस जिलाध्यक्ष गुड्डन पांडेय के नेतृत्व में की अगवानी

नर्मदापुरम्। इटारसी(निप्र)। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय ग्राम धुरपन पहुंचे। इस अवसर पर भीला खेड़ी से प्रारंभ हुई कावड़ यात्रा का ग्राम धुरपन में पहुंचने पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय के नेतृत्व में कांग्रेस जनों एवं ग्राम वासियों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया एवं उन पर पुष्प वर्षा की गई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता गोपाल सिंह पटेल गोपाल सिंह राजपूत नारायण सिंह चौहान अजय पटेल संतोष सिंह राजपूत मंगल सिंह राजपूत मोती सिंह राजपूत एवं उदय नारायण चौरे सहित अनेक ग्रामवासी उपस्थित थे। यह जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

बिजली अधिकारियों के साथ भारतीय किसान संघ की बैठक संपन्न

नर्मदापुरम(निप्र)। भारतीय किसान संघ की बिजली संबंधी समस्याओं के निराकरण हेतु बैठक बिजली विभाग के महाप्रबंधक के साथ आयोजित की गई जिसमें जिले भर के सभी डिवीजन के उप महाप्रबंधक एवं सभी विद्युत सबस्टेशनों के कनिष्ठ यंत्री एवं भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी उपस्थित उपस्थित रहे।भारतीय किसान संघ के जिला सहमंत्री एवं जिला विद्युत प्रभारी रजत दुबे ने बताया की वर्तमान में किसानों के खेतों में धान की फसल लहलहा रही है अभी बारिश होने से तो किसानों की चिंता कम हुई लेकिन अगर बारिश नहीं होने की स्थिति होगी तो किसानो के कृषि पंपों पर 10 घंटे पर्याप्त बिजली आपूर्ति बिजली विभाग द्वारा निर्वाध प्रदान की जाए।

वार्ड 19 एवं 20 भोपाल तिराहा से पुराना आदमगढ़ तक रोड निर्माण की मांग

वरिष्ठ पार्षद ने सीएमओ को लिखा पत्र

नर्मदापुरम (निप्र)। वरिष्ठ पार्षद अनोखे राजोरिया ने एक पत्र मुख्य नगर पालिका अधिकारी को लिखते हुए उनसे मांग की है कि वार्ड क्रमांक 19 एवं 20 भोपाल तिराहा से पुराना आदमगढ़ तक रोड निर्माण किया जाए। उन्होंने लिखा है कि वार्ड क्रमांक 19 एवं 20 भोपाल तिराहा से पुराना आदमगढ़ तक की सड़क अत्यधिक जर्जर हो चुकी है। नगर पालिका परिषद द्वारा उक्त रोड पर सीवर लाइन डाली गई है संबंधित ठेकेदार द्वारा ठीक रिनोवेशन नहीं किया गया है नागरिकों को आने जाने में पैदल चलने में बहुत ही परेशानी हो रही है जनता के बीच बहुत ही आक्रोश है इसलिए उक्त सड़क को जल्द से जल्द सुधारा जाए। अन्यथा जर्जर सड़क से निकलनेवाले वाहनों से किसी प्रकार की अनहोनी होने की संभावना बन रही है। पार्षद ने उक्त पत्र की प्रति कलेक्टर को भी प्रदान की है।

दयाशंकर की डायरी ने दर्शकों को किया भावविभोर सामाजिक संदेश ने छोड़ी अमिट छाप

बिंदेश्वरी सांस्कृतिक कला समिति की शानदार प्रस्तुति

इटारसी। नर्मदापुरम (निप्र)। कतिया समाज मंगल भवन न्यू यार्ड इंदिरा नगर इटारसी में बिंदेश्वरी सांस्कृतिक कला समिति की ओर से दयाशंकर की डायरी नाटक की सुंदर एवं प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई। नाटक के मुख्य प्रबंधक अभिषेक सैनी ने बताया कि दयाशंकर की डायरी नाटक का निर्देशन एवं प्रदर्शन मुकेश माढलेकर द्वारा किया गया। नाटक बहुत ही मार्गदर्शक एवं सामाजिक संदेश देने वाला रहा। नाटक देखने के लिए बड़ी संख्या में महिला-पुरुष एवं युवा उपस्थित रहे। दर्शकों ने नाटक का भरपूर आनंद लिया तथा प्रस्तुति की सराहना करते हुए बीच-बीच में खूब तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। नाटक की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर मुख्य अतिथि दयाराम ढोके द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर की गई। मुख्य अतिथि का समाज के अध्यक्ष केपी चौरे द्वारा शाल एवं श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया। वहीं महिला समिति की अध्यक्ष हेमलता मांधार्वे द्वारा पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओ का संदेश देते हुए गमले में तुलसी का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष केपी चौरे पूर्व अध्यक्ष प्रेमशंकर अग्निभोज तथा इटारसी नगर के वरिष्ठ रंगकर्मी पवन पालीवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पवन पालीवाल द्वारा लाइट एवं साउंड का संचालन किया गया।

कार्यक्रम में रामदयाल उमरिया मनोहर गुजरे रेवाराम सरवरे मनोहर ढोके रमेश चौरे भैयालाल बिल्लौरे सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में महिला-पुरुष एवं युवा उपस्थित रहे। संचालन शिक्षक मनोहर गुजरे द्वारा किया गया। उन्होंने किशोर कुमार का गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम के वातावरण को और भी खुशनुमा बना दिया।

विभिन्न ओलंपियाड में द चैम्प्स फन स्कूल के विद्यार्थियों ने लहराया सफलता का परचम

स्वर्ण पदकों से विद्यार्थियों ने बढ़ाया विद्यालय का गौरव

नर्मदापुरम (निप्र)। द चैम्प्स फन स्कूल में साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) द्वारा आयोजित विभिन्न ओलंपियाड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए पुरस्कार वितरण समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। विद्यार्थियों की शानदार उपलब्धियों ने विद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया।एसओएफ द्वारा जारी वर्ष 2025-26 की पदक विजेता सूची के अनुसार विद्यालय के विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय इंग्लिश ओलंपियाड अंतरराष्ट्रीय मैथ्स ओलंपियाड एवं अंतरराष्ट्रीय जनरल नॉलेज ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र प्राप्त किए। इस अवसर पर द चैम्प्स फन स्कूल की निदेशक श्रीमती जूही चटर्जी प्राचार्य डॉ आशीष चटर्जी उप.प्राचार्य श्रीमती काकोली रॉय चौहान स्कूल कॉर्डिनेटर श्रीमती रीना मालवीय अकादमिक कॉर्डिनेटर श्रीमती स्नेहा शर्मा एवं एडमिन ऑफिसर श्रीमती विनीता जैसलानी सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। अंतरराष्ट्रीय इंग्लिश ओलंपियाड में दक्ष हर्ने दिविशा यादव एवं अयांश दुबे ने उत्कृष्टता का स्वर्ण पदक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। अंतरराष्ट्रीय मैथ्स ओलंपियाड में विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 स्वर्ण पदक प्राप्त किए। पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में माही माछीवार अद्विक साहू दक्ष हरने मानसी पुरविया अन्वेषा गौर निर्वी तोमर श्रीनिति पटेल आश्वत सिंह सौभाग्या पटेल कार्तिक ठाकुर आंजनेय सोनी दृष्टि शर्मा अध्विक गोयल संस्कृति काकोडिया एवं मीरा मेहर शामिल हैं। मैथ्स ओलंपियाड में अद्विक साहू ने क्षेत्रीय स्वर्ण पदक के साथ विशिष्टता का स्वर्ण पदक भी प्राप्त किया। अंतरराष्ट्रीय सामान्य ज्ञान ओलंपियाड में शौर्य सोलंकी दक्ष हर्ने अर्शिव त्रिपाठी निर्वी तोमर एवं नव्यांशी सिंह ने उत्कृष्टता का स्वर्ण पदक प्राप्त किया। वहीं निकुंज वाधवानी नमित गोहिते वरुण मूलचंदानी एवं डॉली यादव ने विशिष्टता का स्वर्ण पदक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।विद्यार्थियों की इस उपलब्धि में विद्यालय के शिक्षकों एवं परीक्षा प्रभारियों के महत्वपूर्ण योगदान को भी सराहा गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ आशीष चटर्जी को उनके मार्गदर्शन एवं विद्यार्थियों को निरंतर प्रोत्साहित करने के लिए प्रशंसा प्रमाण.पत्र प्रदान किया गया। वहीं एसओएफ ओलंपियाड परीक्षा की प्रभारी श्रीमती स्नेहा राजपूत एवं सुश्री स्वाति कहार को परीक्षा के सफल संचालन विद्यार्थियों के मार्गदर्शन एवं उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन में योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ आशीष चटर्जी ने सभी पदक विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनके निरंतर परिश्रम् शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि ओलंपियाड जैसी प्रतियोगिताएँ बच्चों में विषयगत ज्ञान के साथ.साथ आत्मविश्वास तार्किक सोच एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना विकसित करती हैं उन्होंने विद्यार्थियों से कहा शहर उपलब्धि आगे बढ़ने की एक नई प्रेरणा होती है। आप सभी ने अपनी मेहनत से विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इसी उत्साह और लगन के साथ आगे भी प्रयास करते रहें और नई ऊँचाइयाँ हासिल करें।विद्यालय की निदेशक श्रीमती जूही चटर्जी ने भी विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएँ दीं और कहा कि ऐसी उपलब्धियाँ अन्य विद्यार्थियों को भी प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने एवं अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित करती हैं। समारोह के दौरान विद्यार्थियों को पदक एवं सम्मान प्रदान किए गए। द चैम्प्स फन स्कूल के लिए यह उपलब्धि गर्व का विषय है। यह विद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता विद्यार्थियों की मेहनत तथा शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन को दर्शाती है।

शराब के नशे में वाहन चलाना पड़ा महंगा

02 प्रकरण में न्यायालय द्वारा 30,200. रु के जुर्माने से किया दंडित

नर्मदापुरम (निप्र)। पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा एस थोटा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन एवं अनुविभागीय अधिकारी जितेंद्र कुमार पाठक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी थाना देहात उषा मरावी के नेतृत्व में पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाये जा रहे वाहन चेकिंग अभियान में थाना देहात पुलिस लगातार कार्यवाही कर रही है। ज्ञात हो कि 03-08-26 एवं 09-08-26 को वाहन चेकिंग के दौरान वाहन क्रमांक एमपी05 जेडए 2686 एवं वाहन क्रमांक एमपी 05 जेडजी 7532 की चेकिंग के दौरान वाहन चालक शराब के नशे में होना पाया गया। जिस पर थाना देहात नर्मदापुरम द्वारा उक्त दोनों वाहन के चालकों के विरुद्ध 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत इस्तगासा तैयार कर न्यायालय में पेश किया गया था न्यायालय द्वारा उक्त दोनों के चालक पर 15,200. एवं 15,000. रु के जुर्माने से दंडित किया गया है।

समर्थन मूल्य पर अमानक मूंग की खरीदी में किन किन के जेबों में जा रहे रुपये

नर्मदापुरम (निप्र)। किसानों के आंदोलन के बाद तेजी से शुरू हुई समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी में पूर्व की तरह की बड़ा खेल शुरू हो गया है। मूंग खरीदी की आड़ में अमानक घटिया मूंग की खरीदी भी हो रही है। इसकी जांच करने वालों की ही जांच नहीं होने से तमाम खरीदी केंद्रों पर चुपचाप लेन देन का कारोबार जमकर चल रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सर्वेयर से लेकर केंद्र प्रभारी सहित अनेक लोगों की लाबी इस लेनदेन में शामिल बताई जा रही है। जिन किसानों ने बड़ी मुश्किल से अपनी मूंग बेच पाए हैं या जो बेचने की फिराक में है उनसे चर्चा करने पर यह बात सामने आ रही है कि बड़े पैमाने पर लेनदेन हो रहा है। जिसकी पड़ताल सही तरीके से नहीं हो पा रही है। पूर्व में भी अनेक वेयर हाउसों में घटिया मूंग खरीद कर रख दी गई थी। जिसकी जांच में मिट्टी होना पाया गया। एफएक्यू की सही तरह पड़ताल नहीं होने से खरीदी केंद्रों पर चुपचाप वाला खेल चल रहा है।

किसानों से अवैध बसूली के मामले कुछ ही मामले आ रहे हैं सामने

किसानों से अवैध वसूली के कुछ ही मामले सामने आ रहे हैं। रविवार को प्रशासन ने 9 लोगों पर एफआईआर दर्ज की। नर्मदापुरम सहित विदिशा के गोदाम प्रभारी भी को निलंबित भी किया गया है नर्मदापुरम के माखननगर थाने में वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के शाखा प्रबंधक हेमंत चंदेल की शिकायत पर चेतन वेयरहाउस फुरताला के समिति प्रबंधक सोनू परमार सर्वेयर देशराज यादव गोदाम प्रभारी शोभा राजपूत तथा श्री राधे.कृष्ण वेयरहाउस ;काजलखेड़ी की संचालक ज्योति मीना समिति प्रबंधक सुनील पटेल और सर्वेयर शिवम तिवारी पर धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि ये दोनों वेयरहाउस किसानों से घटिया मूंग खरीद रहे थे और उनसे प्रति क्विंटल 700 रुपए की अवैध वसूली कर अनुचित लाभ कमा रहे थे।

10-10 दिन से कर रहे इंतजार

मूंग बेचने के लिए अनेक केंद्रों पर किसान 10 दिनों से मूंग बेचने के लिए इंतजार कर रहे हैं। सर्वेयर तथा खरीदी करने वाले धीमी गति से तुलाई कर रहे हैं। जिससे किसानों की मूंग नहीं तुल पा रही है।

सर्वर, पोर्टल में दिक्कत

किसान बता रहे हैं कि खरीदी से संबंधित पोर्टल में अनेक दिक्कतें आती हैं कभी सर्वर नहीं चलना कभी अंगूठे का निशान नहीं मिलना। कभी और भी अनेक समस्याएं आती रहती हैं जिससे किसानों को परेशान होना पड़ रहा है।

तीन माह से वेतन को तरस रहे आउटसोर्स श्रमिकों को मिला बकाया भुगतान

कलेक्टर के निर्देश पर श्रम विभाग की कार्रवाई, 9 श्रमिकों को 6.11 लाख रुपये का भुगतान

नर्मदापुरम (निप्र)। ऑर्डिनेंस फैक्ट्री इटारसी स्थित भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड संस्थान में कार्यरत आउटसोर्स श्रमिकों को पिछले तीन माह से वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा था। मामले में जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन में श्रम विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए संबंधित एजेंसी से समन्वय स्थापित कर श्रमिकों को उनका बकाया वेतन दिलाया गया। श्रम विभाग ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड से समन्वय कर आउटसोर्स एजेंसी प्लेवे सिक्युरिटी फोर्स प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा से श्रमिकों के लंबित वेतन भुगतान की कार्यवाही सुनिश्चित की। इसके तहत 8 सिक्युरिटी गार्ड, जिनमें राजकुमार भल्लवी सहित अन्य श्रमिक तथा 1 सुपरवाइजर नितिन सोनवंशी का कुल 6 लाख 11 हजार 980 रुपये का बकाया भुगतान कराया गया। तीन माह से वेतन लंबित होने के कारण श्रमिकों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। प्रशासन एवं श्रम विभाग की पहल से बकाया राशि का भुगतान होने पर श्रमिकों को राहत मिली है।

नागद्वारी मेले में रेस्क्यू टीम की तत्परता, घायल श्रद्धालु को दुर्गम क्षेत्र से सुरक्षित निकालकर पहुंचाया अस्पताल

हनुमान गढ़ी में फिसलने से श्रद्धालु के पैर में हुआ था फ्रैक्चर

नर्मदापुरम (निप्र) नर्मदापुरम जिले के हिल स्टेशन पचमढ़ी में आयोजित नागद्वारी मेले में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। लाखों श्रद्धालु अब तक नागद्वारी पहुंचकर भगवान पद्मशेष के दर्शन कर चुके हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा पूरे नागद्वारी ट्रैक पर व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मेले के दौरान किसी भी आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए होमगार्ड, एसडीआरएफ एवं सिविल डिफेंस के जवानों को संवेदनशील एवं दुर्गम स्थानों पर तैनात किया गया है। रेस्क्यू दल लगातार मार्गों पर निगरानी रखते हुए श्रद्धालुओं को सावधानी बरतने तथा निर्धारित मार्गों का उपयोग करने के लिए मार्गदर्शन कर रहे हैं।

हनुमान गढ़ी में घायल श्रद्धालु का तत्काल रेस्क्यू

मेले के दौरान हनुमान गढ़ी के दुर्गम क्षेत्र में एक श्रद्धालु फिसलकर घायल हो गया। हादसे में उसके पैर में फ्रैक्चर हो गया। घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ एवं सिविल डिफेंस की रेस्क्यू टीम को तत्काल अलर्ट किया गया। टीम बिना समय गंवाए मौके पर पहुंची और घायल श्रद्धालु को सावधानीपूर्वक स्ट्रेचर पर लिया। कठिन एवं दुर्गम मार्ग से टीम ने उसे सुरक्षित नीचे उतारा और तत्काल अस्पताल पहुंचाया। समय पर रेस्क्यू किए जाने से घायल श्रद्धालु को शीघ्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकी। मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं ने रेस्क्यू टीम की तत्परता एवं साहसिक कार्य की सराहना की।

प्लाटून कमांडर एवं आपदा प्रबंधन अधिकारी श्रीमती अमृता दीक्षित के मार्गदर्शन में नागद्वारी मेले में तैनात एसडीआरएफ एवं सिविल डिफेंस की टीमें लगातार अलर्ट मोड पर कार्य कर रही हैं। घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने रेस्क्यू टीम को तत्काल सक्रिय किया तथा घायल श्रद्धालु को सुरक्षित नीचे लाकर अस्पताल पहुंचाने के निर्देश दिए।

अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की कार्रवाई, 20 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जब्त

सोमलवाड़ा में ग्रामीणों की शिकायत पर दबिश, 30 किलो महुआ लाहन भी बरामद; 4 प्रकरण दर्ज

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा जिले में अवैध मदिरा के परिवहन, विनिर्माण एवं संग्रहण के

विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के दिए गए निर्देशों के पालन में आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला आबकारी अधिकारी डॉ. राजीव प्रसाद द्विवेदी के मार्गदर्शन में सोमवार, 10 अगस्त 2026 को आबकारी वृत्त सिवनी मालवा अंतर्गत ग्राम सोमलवाड़ा में ग्रामीणों की शिकायत पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से निर्मित 20 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं 30 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद कर जब्त किया गया। जब्त मदिरा एवं महुआ लाहन का अनुमानित कीमत करीब 7 हजार रुपये आंकी गई है। मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) क एवं च के अंतर्गत कुल 4 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णाकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

मध्यप्रदेश शासन
भारतवर्ष की
चौदह विद्याएं चौंसठ कलाएं
बनी आधुनिक युग की शक्ति
भगवान श्रीकृष्ण
मेधावी छात्रवृत्ति योजना
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
प्रतियोगिता
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
महर्षि सांदीपनि, श्रीकृष्ण द्वारा अर्जित 14 विद्याओं एवं 64 कलाओं एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर केन्द्रित
छात्रवृत्ति राशि
प्रति छात्र
₹ 1, 00, 000
छात्रवृत्ति संख्या
102 विद्यार्थी (51 विद्यालय वर्ग +51 महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय)
प्रारंभ तिथि
प्रतियोगिता की प्रारंभ तिथि 11 अगस्त, 2026
चयन प्रक्रिया
विजेताओं का चयन लॉटरी के माध्यम से
पात्रता
प्रदेश के सभी विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क
अंतिम तिथि
प्रतियोगिता की अंतिम तिथि 30 सितम्बर, 2026
वितरण
छात्रवृत्ति वितरण मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 1 नवम्बर, 2026
D-11075/26
आयोजक
श्रीकृष्ण पाथेय न्यास
मध्यप्रदेश शासन
संस्कृति विभाग का आयोजन
सहभागिता
स्कूल शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग,
लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग,
खेल एवं युवा कल्याण विभाग, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, जनसंपर्क विभाग
प्रतियोगिता की अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें